

RAAM LEELA · VALMIKI'S RAMAYANA

राम लीला · वाल्मीकि रामायण

ग्रंथ

The Book

शब्द वही, लीला नई

Shabd wahee, Leela nayee

—❧ Translation: Raam Leela ❧—

Every Leela that is ready to watch, with the verses it comes from: Valmiki's
Sanskrit, a poetic English translation, the Hindi as it is spoken, and the English
subtitle. The book grows as new Leelas open.

हर तैयार लीला, अपने श्लोकों के साथ: वाल्मीकि का संस्कृत, अंग्रेज़ी में काव्य-अनुवाद, बोली गई हिन्दी,
और अंग्रेज़ी उपशीर्षक।

7 kandas · 26 stories · 714 verses

CONTENTS · अनुक्रम

किष्किन्धाकाण्ड · Kishkindha Kanda

पर्वत पर हनुमान; आभूषण Hanuman on the hill; the jewels

4.2.1–4.7.2

पेड़ की ओट से Behind the tree

4.12.14–4.22.32

जाम्बवान का याद दिलाना; छलाँग Jambavan's reminder; the leap

4.64.1–5.1.44

किष्किन्धाकाण्ड

Kishkindha Kanda

3 STORIES

Hanuman on the hill; the jewels

पर्वत पर हनुमान; आभूषण

—❧ Valmiki · Kishkindha Kanda ❧—

4.2.1–4.7.2 (CrEd 4.2.1–4.7.2)

ऋष्यमूक से डरे हुए सुग्रीव दो हथियारबंद अजनबियों को देखते हैं और हनुमान को भिक्षु के वेश में यह जानने भेजते हैं कि वे कौन हैं। हनुमान की वाणी राम का मन जीत लेती है, लक्ष्मण अपनी कथा सुनाते हैं, और अग्नि के सामने राम और सुग्रीव मित्रता की शपथ लेते हैं। सुग्रीव वह वस्त्र और आभूषण लाते हैं जो सीता ने हरण के समय गिराए थे; राम उन्हें पहचानकर रो पड़ते हैं, और पूछते हैं कि हरने वाला कहाँ रहता है।

From Rishyamukha, the frightened Sugriva sees two armed strangers and sends Hanuman down in a mendicant's guise to learn who they are. Hanuman's speech wins Rama, Lakshmana tells their story, and Rama and Sugriva swear friendship before the fire. Sugriva brings out the cloth and ornaments Sita dropped in her flight; Rama knows them and weeps, and asks where her captor lives.

१



PART 1 · भाग 1

The mendicant

Valmiki 4.2.1–4.4.35 (CrEd 4.2.1–4.4.26)

॥ 4.2.1-3 ॥
CrEd 4.2.1-3

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.2.6 ॥
CrEd 4.2.6

सुग्रीव SUGRIVA

वाल्मीकि एतौ वनम् इदं दुर्गं वालिप्रणिहितौ ध्रुवम् ।
छद्मना चीरवसनौ प्रचरन्ताव् इहागतौ ॥

TRANSLATION *These two, surely sent by Vali
into this forest, hard to pass,
have come here roaming in disguise,
dressed in bark cloth.*

लीला छाल के वस्त्र पहने ये दोनों इस दुर्गम वन में
छद्मवेश में घूमते हुए यहाँ आए हैं। निश्चय ही इन्हें
वाली ने भेजा है।

SUBTITLE These two, in bark cloth,
roam this pathless forest
in disguise.
Vali has sent them, surely.

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि यस्माद् उद्विग्नचेतास् त्वं प्रद्रुतो हरिपुंगव ।
तं क्रूरदर्शनं क्रूरं नेह पश्यामि वालिनम् ।
यस्मात् तव भयं सौम्य पूर्वजात् पापकर्मणः ।
स नेह वाली दुष्टात्मा न ते पश्याम्य् अहं भयम् ॥

TRANSLATION *The one you fled from in alarm,
bull among monkeys,
Vali, cruel and cruel to look on,
I do not see here.
The one you fear, gentle one,
your elder brother of evil deeds,
that wicked Vali, is not here;
I see nothing for you to fear.*

लीला जिस क्रूर वाली से डरकर आप भागे थे, आपका वह
पापी बड़ा भाई, यहाँ नहीं है। मुझे यहाँ कोई भय
नहीं दिखता।

SUBTITLE The cruel Vali you fled from,
your wicked elder brother,
is not here, my lord.
I see nothing to fear.

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि अहो शाखामृगत्वं ते व्यक्तम् एव प्लवंगम् ।
लघुचित्ततयात्मानं न स्थापयसि यो मतौ ।
बुद्धिविज्ञानसंपन्न इङ्गितैः सर्वम् आचर ।
न ह्य् अबुद्धिं गतो राजा सर्वभूतानि शास्ति हि ॥

TRANSLATION *Ah, monkey, your branch-dweller's nature
is plain indeed to see,
you who, so light of mind,
cannot hold yourself steady in thought.
With wit and understanding,
do all things by the signs;
for a king fallen into folly
cannot govern all beings.*

लीला अहो, आपका वानर-स्वभाव दिख रहा है। चंचल
मन स्थिर नहीं रहता। संकेतों को पढ़िए। बुद्धिहीन
राजा किसी पर शासन नहीं करता।

SUBTITLE Ah, your monkey nature shows:
your mind is too light to hold steady.
Read the signs.
A king without sense rules no one.

॥ 4.2.24,
4.2.26 ॥

CrEd 4.2.23, 4.2.25

condensed
from 4.2.24,
4.2.26

सुग्रीव SUGRIVA

वाल्मीकि तौ त्वया प्राकृतेनैव गत्वा ज्ञेयौ प्लवंगम ।
शङ्कितानां प्रकरैश् च रूपव्याभाषणेन च ।
... ।
ममैवाभिमुखं स्थित्वा पृच्छ त्वं हरिपुंगव ।
प्रयोजनं प्रवेशस्य वनस्यास्य धनुर्धरौ ॥

TRANSLATION *Go to them as a common person,
monkey, and come to know them,
by their bearing, as the wary do,
by their looks and by their speech.*
...
*Stand face to face with them,
bull among monkeys, and ask
why they have entered this forest,
those two bowmen.*

लीला साधारण वेश में उनके पास जाओ। उनके रूप और
वाणी से जानो कि ये धनुर्धर कौन हैं, और इस वन
में क्यों आए।

SUBTITLE Go to them as a common wanderer.
Learn from their looks and words
who these bowmen are,
and why they came.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.2.23 and 4.2.25) में है; दृश्य की पंक्ति दोनों श्लोकों को जोड़ती है और दूसरे को छोटा करती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.2.23 and 4.2.25); the scene's line joins the two verses and shortens the second.

॥ 4.3.1-6 ॥
CrEd 4.3.1-4

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.3.8, 4.3.11 ॥
CrEd 4.3.6cd, 4.3.9

condensed
from 4.3.8,
4.3.11

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि धैर्यवन्तौ सुवर्णाभौ कौ युवां चीरवाससौ ।
प्रभया पर्वतेन्द्रोऽयं युवयोर् अवभासितः ।
राज्यार्हाव् अमरप्रख्यौ कथं देशम् इहागतौ ॥

TRANSLATION *Steadfast, golden-bright,
who are you two, clad in bark?
This king of mountains
is lit up by your radiance.
Fit for kingdoms, like the immortals,
how have you come to this land?*

दो श्लोक जुड़े हैं (CrEd 4.3.6cd और 4.3.9)।

Two verses joined (CrEd 4.3.6cd and 4.3.9).

॥ 4.3.19 ॥
CrEd 4.3.17

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि एवं मां परिभाषन्तं कस्माद् वै नाभिभाषथः ॥

TRANSLATION *When I address you so,
why do you not answer me?*

लीला यह पर्वतराज आपकी प्रभा से जगमगा उठा है।
आप राज्य के योग्य हैं, देवताओं जैसे। स्वर्ण-सी
कांति वाले, छाल पहने आप दोनों कौन हैं?

SUBTITLE This king of mountains
glows with your light.
You are fit for kingdoms, like immortals.
Who are you two, in bark cloth?

लीला मैं आपसे इस प्रकार बोल रहा हूँ, और आप कुछ
नहीं कहते। आप मुझे उत्तर क्यों नहीं देते?

SUBTITLE I speak to you like this,
and you say nothing.
Why do you not answer me?

॥ 4.3.20-21 ॥

CrEd 4.3.18-19

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि सुग्रीवो नाम धर्मात्मा कश्चिद् वानरयूथपः ।
वीरो विनिकृतो भ्रात्रा जगद् भ्रमति दुःखितः ।
प्राप्तोऽहं प्रेषितस् तेन सुग्रीवेण महात्मना ।
राज्ञा वानरमुख्यानां हनुमान् नाम वानरः ॥

TRANSLATION *There is a righteous monkey,
a leader of troops, named Sugriva,
a hero wronged by his brother,
who wanders the world in grief.
I have come, sent by him,
by great-souled Sugriva,
king of the foremost monkeys:
a monkey named Hanuman.*

लीला सुग्रीव नाम के एक धर्मात्मा वानर-यूथपति, वीर,
जिन्हें भाई ने छला है, दुखी होकर भटकते हैं।
उन्होंने मुझे भेजा है। मैं हनुमान हूँ।

SUBTITLE A righteous monkey chief, Sugriva,
wronged by his brother,
wanders the world in grief.
He sent me. I am Hanuman.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.3.18-19) में है; दृश्य की पंक्ति आखिरी पंक्ति को छोटा करती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.3.18-19); the scene's line shortens the last line.

॥ 4.3.22-23 ॥
CrEd 4.3.20-21

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि युवाभ्यां सह धर्मात्मा सुग्रीवः सख्यम् इच्छति ।
तस्य मां सचिवं वित्तं वानरं पवनात्मजम् ।
भिक्षुरूपप्रतिच्छन्नं सुग्रीवप्रियकाम्यया ।
ऋश्यमूकाद् इह प्राप्तं कामगं कामरूपिणम् ॥

TRANSLATION *Righteous Sugriva
seeks friendship with you both.
Know me as his minister,
a monkey, son of the Wind,
hidden in a mendicant's form
to do Sugriva a kindness,
come here from Rishyamukha,
going where I will, taking what form I will.*

लीला धर्मात्मा सुग्रीव आपसे मित्रता चाहते हैं। मुझे
उनका मंत्री, पवनपुत्र जानिए, जो भिक्षु के वेश में
छिपा है। मैं इच्छानुसार रूप धारण करता हूँ।

SUBTITLE Sugriva wants your friendship.
I am his minister, the Wind's son,
hidden in a mendicant's form.
I take what form I will.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.3.20-21) में है; दृश्य की पंक्ति आखिरी पंक्ति को छोटा करती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.3.20-21); the scene's line shortens the last line.

॥ 4.3.24-25 ॥
CrEd 4.3.22-23

SILENT MOMENT मौन क्षण

राम R A M A

वाल्मीकि एतच् छुत्वा वचस् तस्य रामो लक्ष्मणम् अब्रवीत् ।
प्रहृष्टवदनः श्रीमान् भ्रातरं पार्श्वतः स्थितम् ।
सचिवोऽयं कपीन्द्रस्य सुग्रीवस्य महात्मनः ।
तम् एव काङ्क्षमाणस्य ममान्तिकम् उपागतः ॥

TRANSLATION *Hearing these words of his,
glorious Rama, his face glad,
said to Lakshmana,
his brother standing at his side:
“This is the minister
of great-souled Sugriva, lord of monkeys;
he has come to me, who was longing
for that very one.”*

लीला यह वानरराज महात्मा सुग्रीव का मंत्री है, जिन्हें मैं
खोज ही रहा था। यह स्वयं मेरे पास आया है।

SUBTITLE This is great Sugriva's minister,
the very one I was seeking.
He has come to me himself.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.3.23-24) में है; पहला श्लोक कथावाचक का है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.3.23-24); the first verse is the narrator's.

॥ 4.3.27 ॥
CrEd 4.3.25

राम R A M A

वाल्मीकि तम् अभ्यभाष सौमित्रे सुग्रीवसचिवं कपिम् ।
वाक्यज्ञं मधुरैर् वाक्यैः स्नेहयुक्तम् अरिदमम् ॥

TRANSLATION *Speak, Saumitri, with sweet words
to this monkey, Sugriva's minister,
who knows the art of speech,
who is full of warmth, a tamer of foes.*

लीला सौमित्र, सुग्रीव के इस मंत्री को मधुर वचनों से
उत्तर दो। यह वाणी का मर्मज्ञ है, और स्नेह से
बोलता है।

SUBTITLE Answer him, Saumitri, with sweet words.
He is a master of speech,
and he speaks with warmth.

राम R A M A

वाल्मीकि नानृग्वेदविनीतस्य नायजुर्वेदधारिणः ।
नासामवेदविदुषः शक्यम् एवं विभाषितुम् ।
नूनं व्याकरणं कृत्स्नम् अनेन बहुधा श्रुतम् ।
बहु व्याहरतानेन न किं चिद् अपशब्दितम् ॥

TRANSLATION *None untrained in the Rig Veda,
none who has not borne the Yajur Veda,
none who does not know the Sama Veda
could speak in such a way.
Surely he has heard all of grammar,
and heard it many times;
for though he has said so much,
not one word was wrongly spoken.*

लीला जिसने ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद न पढ़ा हो, वह
ऐसा नहीं बोल सकता। निश्चय ही इसने पूरा
व्याकरण पढ़ा है। इतना बोला, पर एक भी शब्द
अशुद्ध नहीं।

SUBTITLE No one untaught in the Rig,
the Yajur and the Sama Veda
could speak so.
So much said, and not one word wrong.

॥ 4.4.6, 4.4.8 ॥
CrEd 4.4.6

लक्ष्मण LAKSHMANA

वाल्मीकि राजा दशरथो नाम द्युतिमान् धर्मवत्सलः ।
तस्यायं पूर्वजः पुत्रो रामो नाम जनैः श्रुतः ॥

TRANSLATION *There was a king named Dasharatha,
radiant, devoted to dharma;
this is his eldest son,
known among men as Rama.*

लीला दशरथ नाम के एक तेजस्वी, धर्मप्रेमी राजा थे।
ये उनके ज्येष्ठ पुत्र हैं, जिन्हें लोग राम के नाम से
जानते हैं।

SUBTITLE There was a king, Dasharatha,
radiant, devoted to dharma.
This is his eldest son,
known to all as Rama.

॥ 4.4.10-11 ॥
CrEd 4.4.8

लक्ष्मण LAKSHMANA

वाल्मीकि राज्याद् भ्रष्टो वने वस्तुं मया सार्धम् इहागतः ।
भार्यया च महातेजाः सीतयानुगतो वशी ॥

TRANSLATION *Fallen from the kingdom, he has come here
to live in the forest with me;
and by his wife Sita he was followed,
he of great splendour, master of himself.*

लीला राज्य से वंचित होकर ये मेरे साथ वन में रहने आए,
और इनकी पत्नी सीता भी इनके पीछे चली आई।

SUBTITLE He lost his kingdom
and came to live in the forest with me,
and his wife Sita followed him.

CrEd में इस श्लोक (4.4.8) में एक तीसरी पंक्ति भी है: “जैसे दिन ढलने पर सूर्य के पीछे उसकी प्रभा”।

In the CrEd the verse (4.4.8) has a third line: “as the sun at day's end is followed by its light”.

॥ 4.4.14 ॥
CrEd 4.4.11

लक्ष्मण LAKSHMANA

वाल्मीकि रक्षसापहृता भार्या रहिते कामरूपिणा ।
तच् च न ज्ञायते रक्षः पत्नी येनास्य सा हृता ॥

TRANSLATION *While he was away, his wife was carried off
by a rakshasa who takes what form he will;
and it is not known, that rakshasa
by whom his wife was taken.*

लीला जब ये दूर थे, तब इच्छानुसार रूप बदलने वाला
एक राक्षस इनकी पत्नी को हर ले गया। किसने हरा,
हम नहीं जानते।

SUBTITLE While he was away,
a shape-changing rakshasa
carried off his wife.
Who took her, we do not know.

॥ 4.4.18 ॥
CrEd 4.4.15

लक्ष्मण LAKSHMANA

वाल्मीकि एष दत्त्वा च वित्तानि प्राप्य चानुत्तमं यशः ।
लोकनाथः पुरा भूत्वा सुग्रीवं नाथम् इच्छति ॥

TRANSLATION *He who gave away riches
and won the highest fame,
who was once lord of the world,
now seeks Sugriva for his lord.*

लीला जिन्होंने धन का दान किया और परम यश पाया, जो
कभी जगत के स्वामी थे, वे आज सुग्रीव को अपना
स्वामी बनाना चाहते हैं।

SUBTITLE He who gave away riches
and won the highest fame,
once lord of the world,
now seeks Sugriva for his lord.

॥ 4.4.26 ॥
CrEd 4.4.18

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि ईदृशा बुद्धिसंपन्ना जितक्रोधा जितेन्द्रियाः ।
द्रष्टव्या वानरेन्द्रेण दिष्ट्या दर्शनम् आगताः ॥

TRANSLATION *Such as you, rich in wisdom,
masters of anger and of the senses,
the lord of monkeys must see;
by good fortune you have come into our sight.*

लीला आप जैसे बुद्धिमान, क्रोध और इंद्रियों को जीतने
वाले पुरुषों से हमारे राजा को मिलना चाहिए।
सौभाग्य है कि आप आए।

SUBTITLE Men like you, wise,
masters of anger and the senses,
our king must meet.
It is our good fortune you came.

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि स हि राज्याच् च विभ्रष्टः कृतवैरश् च वालिना ।
हतदारो वने त्रस्तो भ्रात्रा विनिकृतो भृशम् ।
करिष्यति स साहाय्यं युवयोर् भास्करात्मजः ।
सुग्रीवः सह चास्माभिः सीतायाः परिमार्गणे ॥

TRANSLATION *For he has fallen from the kingdom,
and Vali has made him his enemy;
robbed of his wife, in fear in the forest,
deeply wronged by his brother.
He will give you both his help,
Sugriva, son of the Sun,
and we with him,
in the search for Sita.*

लीला वाली ने उनका राज्य और पत्नी छीन ली। वे भय में
जीते हैं। सूर्यपुत्र सुग्रीव हम सबके साथ सीता की
खोज में आपकी सहायता करेंगे।

SUBTITLE Vali took his kingdom and his wife;
he lives in fear.
Sugriva, the Sun's son,
will help you search for Sita.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.4.19-20) में है; दृश्य की पंक्ति दूसरी पंक्ति को छोटा करती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.4.19-20); the scene's line shortens the second line.

॥ 4.4.29 ॥
CrEd 4.4.21

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि इत् एवम् उक्त्वा हनुमाज् श्लक्ष्णं मधुरया गिरा ।
बभाषे सोऽभिगच्छामः सुग्रीवम् इति राघवम् ॥

TRANSLATION *So saying, Hanuman,
gently, in a sweet voice,
said to Raghava:
“Let us go to Sugriva.”*

लीला चलिए, हम सुग्रीव के पास चलें।

SUBTITLE Come,
let us go to Sugriva.

यहाँ दी गई संस्कृत CrEd (4.4.21) की है, “सोऽभिगच्छामः” (हम उनके पास चलें); प्रचलित पाठ में “साधु गच्छामः” (अच्छा, चलें) है।

The Sanskrit shown is the CrEd's (4.4.21), so 'bhigacchāmaḥ, “let us go to”; the popular text reads sādhu gacchāmaḥ, “let us go, then”.

॥ 4.4.31-32 ॥
CrEd 4.4.23-24

लक्ष्मण LAKSHMANA

वाल्मीकि कपिः कथयते हृष्टो यथायं मारुतात्मजः ।
कृत्यवान् सोऽपि संप्राप्तः कृतकृत्योऽसि राघव ।
प्रसन्नमुखवर्णश् च व्यक्तं हृष्टश् च भाषते ।
नानृतं वक्ष्यते वीरो हनूमान् मारुतात्मजः ॥

TRANSLATION *As this monkey, son of the Wind,
speaks to us so gladly,
he too has come with a need of his own;
your work is done, Raghava.
The colour of his face is clear,
and plainly he speaks with gladness;
heroic Hanuman, son of the Wind,
will not speak falsely.*

॥ 4.4.33-35 ॥
CrEd 4.4.25-26

SILENT MOMENT मौन क्षण

लीला ये प्रसन्न होकर बोल रहे हैं। इनके राजा का भी
प्रयोजन है। राघव, आपका काम हुआ समझिए।
इनका मुख निर्मल है, ये झूठ नहीं बोलेंगे।

SUBTITLE He speaks gladly; his king needs us too.
Your work is as good as done, Raghava.
His face is clear;
he will not lie.



PART 2 · भाग 2

The fire and the jewels

Valmiki 4.5.1–4.7.2 (CrEd 4.5.1–4.7.2)

॥ 4.5.2-3 ॥
CrEd 4.5.2-3

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि अयं रामो महाप्राज्ञः संप्राप्तो दृढविक्रमः ।
लक्ष्मणेन सह भ्रात्रा रामोऽयं सत्यविक्रमः ।
इक्ष्वाकूणां कुले जातो रामो दशरथात्मजः ।
धर्मे निगदितश्चैव पितुर्निर्देशपालकः ॥

TRANSLATION *This is Rama, of great wisdom,
who has come, firm in valour,
with Lakshmana his brother;
this Rama is true in valour.
Born in the line of the Ikshvakus,
Rama, son of Dasharatha,
renowned in dharma,
keeper of his father's command.*

लीला ये राम हैं, महाबुद्धिमान, दृढ़ पराक्रमी, जो अपने
भाई लक्ष्मण के साथ आए हैं, इक्ष्वाकुकुल में जन्मे,
दशरथ के पुत्र, पिता की आज्ञा के पालक।

SUBTITLE This is Rama, wise, steady in valour,
come with his brother Lakshmana:
an Ikshvaku, Dasharatha's son,
keeper of his father's word.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.5.2-3) में है; दृश्य की पंक्ति दूसरी पंक्ति को छोटा करती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.5.2-3); the scene's line shortens the second line.

॥ 4.5.6-7 ॥

CrEd 4.5.4, 4.5.7

condensed
from 4.5.6-7

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि तस्यास्य वसतोऽरण्ये नियतस्य महात्मनः ।
रक्षसापहृता भार्या स त्वां शरणम् आगतः ।
... ।

भवता सख्यकामौ तौ भ्रातरौ रामलक्ष्मणौ ।
प्रतिगृह्यार्चयस्वैमौ पूजनीयतमाव् उभौ ॥

TRANSLATION *While he, great-souled and restrained,
was living in the forest,
a rakshasa carried off his wife;
he has come to you for refuge.
...
Seeking friendship with you,
these two brothers, Rama and Lakshmana:
receive them and honour them,
for both are most worthy of honour.*

लीला जब ये वन में रह रहे थे, एक राक्षस इनकी पत्नी को
हर ले गया। ये आपकी शरण में आए हैं। इन्हें मित्र
बनाइए, और इनका सत्कार कीजिए।

SUBTITLE While he lived in the forest,
a rakshasa carried off his wife.
He comes to you for refuge.
Take them as friends, and honour them.

संस्कृत वैसी दी गई है जैसी CrEd (4.5.4 और 4.5.7) में है। प्रचलित पाठ यहाँ रावण का नाम लेता है ("रावणेन हृता", 4.5.6); CrEd में "एक राक्षस" है।

The Sanskrit is given as the CrEd has it (4.5.4 and 4.5.7). The popular text names Ravana here (rāvaṇena hṛtā, 4.5.6); the CrEd says "a rakshasa".

॥ 4.5.7-8 ॥

CrEd 4.5.8-9

SILENT MOMENT मौन क्षण

सुग्रीव SUGRIVA

वाल्मीकि भवान् धर्मविनीतश् च विक्रान्तः सर्ववत्सलः ।
आख्याता वायुपुत्रेण तत्त्वतो मे भवद्गुणाः ।
तन् ममैवैष सत्कारो लाभश् चैवोत्तमः प्रभो ।
यत् त्वम् इच्छसि सौहार्दं वानरेण मया सह ॥

TRANSLATION *You are schooled in dharma,
valiant, kind to all;
the Wind's son has told me truly
of your virtues.
So this is honour to me,
and the highest gain, my lord,
that you desire friendship
with me, a monkey.*

लीला आप धर्म में शिक्षित, पराक्रमी और सबके प्रति
स्नेही हैं। पवनपुत्र ने मुझे सब सच बताया है। आप
एक वानर से मित्रता चाहते हैं, यह मेरा सम्मान है।

SUBTITLE Schooled in dharma, valiant, kind to all:
so the Wind's son has told me.
That you want a monkey's friendship
does me honour.

॥ 4.5.11 ॥
CrEd 4.5.12

सुग्रीव SUGRIVA

वाल्मीकि रोचते यदि वा सख्यं बाहुर् एष प्रसारितः ।
गृह्यतां पाणिना पाणिर् मर्यादा वध्यतां ध्रुवा ॥

TRANSLATION *If friendship pleases you,
here is my arm, held out;
let hand be taken in hand,
and let a firm bond be made.*

लीला यदि आपको मित्रता रुचती है, तो यह मेरी भुजा
फैली है। मेरा हाथ अपने हाथ में लीजिए, और यह
बंधन सदा के लिए अटल हो।

SUBTITLE If friendship pleases you,
here is my arm held out.
Take my hand in yours,
and let the bond hold for ever.

॥ 4.5.12 ॥
CrEd 4.5.13

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.5.13–14 ॥
CrEd 4.5.14–15

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.5.15 ॥
CrEd 4.5.16

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.5.16 ॥
CrEd 4.5.17

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.6.1-4 ॥

CrEd 4.6.1-3

condensed
from 4.6.1-4

सुग्रीव SUGRIVA

वाल्मीकि अयम् आख्याति मे राम सचिवो मन्त्रिसत्तमः ।
हनुमान् यन्निमित्तं त्वं निर्जनं वनम् आगतः ।
लक्ष्मणेन सह भ्रात्रा वसतश् च वने तव ।
रक्षसापहृता भार्या मैथिली जनकात्मजा ।
त्वया वियुक्ता रुदती लक्ष्मणेन च धीमता ।
अन्तरं प्रेप्सुना तेन हत्वा गृध्रं जटायुषम् ॥

TRANSLATION *Rama, my minister Hanuman,
best of counsellors, has told me
why you have come
to this empty forest:
that while you lived in the forest
with Lakshmana your brother,
a rakshasa carried off your wife,
Maithili, Janaka's daughter,
weeping, parted from you
and from wise Lakshmana;
watching for his chance, he
killed the vulture Jatayu.*

लीला हनुमान ने मुझे बताया कि आप इस निर्जन वन में
क्यों आए। जब आप और लक्ष्मण दूर थे, एक
राक्षस आपकी रोती हुई पत्नी को हर ले गया।

SUBTITLE Hanuman told me why you came
to this empty forest:
while you and Lakshmana were away,
a rakshasa took your weeping wife.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.6.1-3) में है; दृश्य की पंक्ति वन में भाइयों के रहने की और जटायु के मारे जाने की बात छोड़ती है;
वाक्य अगले श्लोक में आगे चलता है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.6.1–3); the scene's line leaves out the brothers' life in the forest and the killing of Jatayu; the sentence goes on into the next verse.

॥ 4.6.5–6 ॥
CrEd 4.6.4–5

सुग्रीव SUGRIVA

वाल्मीकि भार्यावियोगजं दुःखं नचिरात् त्वं विमोक्ष्यसे ।
अहं ताम् आनयिष्यामि नष्टां वेदश्रुतिं यथा ।
रसातले वा वर्तन्तीं वर्तन्तीं वा नभस्तले ।
अहम् आनीय दास्यामि तव भार्याम् अरिंदम ॥

TRANSLATION *From the grief of parting from your wife
you will soon be set free.
I will bring her back,
as the lost Veda was brought back.
Whether she dwells in the underworld
or dwells in the sky,
I will bring your wife and give her to you,
tamer of foes.*

लीला शीघ्र ही आप इस दुख से मुक्त होंगे। वे पाताल में
हों या आकाश में, मैं उन्हें खोए हुए वेद की भाँति
लौटा लाऊँगा।

SUBTITLE Soon you will be free of this grief.
Under the earth or in the sky,
I will bring her back,
like the lost Veda.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.6.4–5) में है; दृश्य की पंक्ति आखिरी पंक्ति छोड़ती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.6.4–5); the scene's line leaves out the last line.

सुग्रीव SUGRIVA

वाल्मीकि अनुमानात् तु जानामि मैथिली सा न संशयः ।
हियमाणा मया दृष्टा रक्षसा क्रूरकर्मणा ।
क्रोशन्ती राम रामेति लक्ष्मणेति च विस्वरम् ।
स्फुरन्ती रावणस्याङ्गे पन्नगेन्द्रवधूर् यथा ॥

TRANSLATION *But I know by inference,
beyond doubt, it was Maithili:
I saw her carried off
by a rakshasa of cruel deeds,
crying, "Rama, Rama!"
and "Lakshmana!" in a broken voice,
writhing in Ravana's lap
like the wife of a serpent king.*

लीला निश्चय ही वे मैथिली थीं, जिन्हें मैंने एक क्रूर राक्षस
के द्वारा ले जाते देखा। वे पुकार रही थीं, "राम! राम!
लक्ष्मण!", और रावण की गोद में नागिन-सी
छटपटा रही थीं।

SUBTITLE It was Maithili I saw carried off,
crying "Rama! Rama! Lakshmana!",
writhing in Ravana's lap
like a serpent queen.

सुग्रीव SUGRIVA

वाल्मीकि आत्मना पञ्चमं मां हि दृष्ट्वा शैलतटे स्थितम् ।
उत्तरीयं तथा त्यक्तं शुभान् आभरणानि च ।
तान् अस्माभिर् गृहीतानि निहितानि च राघव ।
आनयिष्याम्य अहं तानि प्रत्यभिज्ञातुम् अर्हसि ॥

TRANSLATION *For seeing me on the mountain slope,
standing there, myself the fifth,
she let fall her upper cloth
and her lovely ornaments.
These we took up
and put away, Raghava;
I will bring them;
you should know them again.*

लीला पर्वत पर हम पाँचों को देखकर उन्होंने अपना
उत्तरीय और आभूषण गिरा दिए। हमने उन्हें
सँभालकर रखा है। मैं लाता हूँ, आप पहचानिए।

SUBTITLE Seeing us five on the ridge,
she dropped her cloth and ornaments.
We kept them.
I will bring them for you to know.

॥ 4.6.13 ॥
CrEd 4.6.11

राम R A M A

वाल्मीकि तम् अब्रवीत् ततो रामः सुग्रीवं प्रियवादिनम् ।
आनयस्व सखे शीघ्रं किमर्थं प्रविलम्बसे ॥

TRANSLATION *Then Rama said
to Sugriva, speaker of kind words:
“Bring them quickly, friend.
Why do you delay?”*

लीला सखे, शीघ्र ले आओ! देर क्यों करते हो?

SUBTITLE Bring them quickly, friend!
Why do you wait?

॥ 4.6.14 ॥
CrEd 4.6.12

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.6.15 ॥
CrEd 4.6.13

सुग्रीव S U G R I V A

वाल्मीकि उत्तरीयं गृहीत्वा तु शुभान् आभरणानि च ।
इदं पश्येति रामाय दर्शयाम् आस वानरः ॥

TRANSLATION *Taking the upper cloth
and the lovely ornaments,
the monkey showed them to Rama:
“See this.”*

लीला देखिए।

SUBTITLE See.

॥ 4.6.16 ॥
CrEd 4.6.14

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.6.17 ॥
CrEd 4.6.15

राम R A M A

वाल्मीकि सीतास्नेहप्रवृत्तेन स तु बाष्पेण दूषितः ।
हा प्रियेति रुदन् धैर्यम् उत्सृज्य न्यपतत् क्षितौ ॥

TRANSLATION *Blinded by tears
that welled from his love for Sita,
he wept, "Ah, beloved!",
let go his composure, and fell to the ground.*

लीला हा प्रिये!

SUBTITLE Ah, my beloved!

॥ 4.6.17-19 ॥
CrEd 4.6.15-17

SILENT MOMENT मौन क्षण

राम R A M A

वाल्मीकि पश्य लक्ष्मण वैदेह्या संत्यक्तं ह्रियमाणया ।
उत्तरीयम् इदं भूमौ शरीराद् भूषणानि च ।
शाद्वलिन्यां ध्रुवं भूम्यां सीतया ह्रियमाणया ।
उत्सृष्टं भूषणम् इदं तथारूपं हि दृश्यते ॥

TRANSLATION *Look, Lakshmana: this upper cloth,
let fall by Vaidehi
as she was carried off, here on the ground,
and the ornaments from her body.
Surely on grassy ground
Sita, as she was carried off,
dropped these ornaments,
for so they look.*

लीला देखो लक्ष्मण, हरी जाती वैदेही ने यह उत्तरीय और
अपने अंगों के आभूषण गिराए थे। ये घास पर गिरे
होंगे। देखो, ज्यों के त्यों हैं।

SUBTITLE Look, Lakshmana: the cloth
Vaidehi let fall as she was carried off,
and her ornaments. They fell on grass:
see, they are unharmed.

॥ 4.6.22-23a ॥

popular text
only · not in
the CrEd

लक्ष्मण LAKSHMANA

वाल्मीकि नाहं जानामि केयूरे नाहं जानामि कुण्डले ।
नूपुरे त्व् अभिजानामि नित्यं पादाभिवन्दनात् ॥

TRANSLATION *I do not know the armlets,
I do not know the earrings;
but the anklets I know,
from bowing at her feet each day.*

लीला मैं इन बाजूबंदों को नहीं पहचानता, न इन कुंडलों
को। पर नूपुरों को पहचानता हूँ, क्योंकि मैं नित्य
उनके चरणों में प्रणाम करता था।

SUBTITLE I do not know the armlets,
nor the earrings.
But I know the anklets,
for every day I bowed at her feet.

॥ 4.6.24-25a ॥

CrEd 4.6.20-21ab

राम RAMA

वाल्मीकि ब्रूहि सुग्रीव कं देशं ह्रियन्ती लक्षिता त्वया ।
रक्षसा रौद्ररूपेण मम प्राणसमा प्रिया ।
क्व वा वसति तद् रक्षो महद् व्यसनदं मम ॥

TRANSLATION *Tell me, Sugriva: toward what land
did you see her carried
by the rakshasa of fearsome form,
my love, dear to me as life?
And where does he live, that rakshasa
who brings me this great calamity?*

लीला बताओ सुग्रीव, वह भयानक राक्षस मेरी प्राणप्रिया
को किस दिशा में ले गया? कहाँ रहता है वह,
जिसने मुझ पर यह विपत्ति डाली?

SUBTITLE Tell me, Sugriva: which way
did that fierce rakshasa take her,
my love, dear as my life?
Where does he live?

॥ 4.6.25b-26 ॥
CrEd 4.6.21cd-22

राम R A M A

वाल्मीकि यन्निमित्तम् अहं सर्वान् नाशयिष्यामि राक्षसान् ।
हरता मैथिलीं येन मां च रोषयता भृशम् ।
आत्मनो जीवितान्ताय मृत्युद्वारम् अपावृतम् ॥

TRANSLATION *For his sake I will destroy
all the rakshasas.
By carrying off Maithili
and rousing me to fierce anger,
he has opened wide the door of death
to end his own life.*

लीला उसी के कारण मैं सब राक्षसों का नाश करूँगा।
मैथिली को चुराकर और मेरा क्रोध जगाकर उसने
अपनी मृत्यु का द्वार खोल लिया है।

SUBTITLE Because of him
I will destroy every rakshasa.
By stealing Maithili,
he has opened the door of his own death.

॥ 4.6.27 ॥
CrEd 4.6.23

राम R A M A

वाल्मीकि मम दयिततमा हृता वनाद् रजनिचरेण विमथ्य येन सा ।
कथय मम रिपुं तम् अद्य वै प्रवगपते यमसंनिधिं नयामि ॥

TRANSLATION *My dearest was taken from the forest
by the night-walker who seized her by force;
tell me of that enemy, lord of monkeys:
this very day I lead him before Yama.*

लीला वानरराज, मुझे मेरा शत्रु बताओ। आज ही मैं उसे
यमराज के सामने पहुँचा दूँगा।

SUBTITLE Tell me who my enemy is,
lord of monkeys,
and today I will lead him
into Yama's presence.

॥ 4.7.1-2 ॥
CrEd 4.7.1-2

सुग्रीव SUGRIVA

वाल्मीकि एवम् उक्तस् तु सुग्रीवो रामेणार्तेन वानरः ।
अब्रवीत् प्राञ्जलिर् वाक्यं सबाष्पं बाष्पगद्गदः ।
न जाने निलयं तस्य सर्वथा पापरक्षसः ।
सामर्थ्यं विक्रमं वापि दौष्कुलेयस्य वा कुलम् ॥

TRANSLATION *Spoken to so by grieving Rama,
the monkey Sugriva,
with joined palms, in tears,
his voice choked with tears, said:
“I do not know at all
where that evil rakshasa dwells,
nor his strength, nor his valour,
nor the family of that low-born one.”*

लीला मैं नहीं जानता कि वह पापी राक्षस कहाँ रहता है,
न उसकी शक्ति, न उसका पराक्रम, न उस नीच
का कुल।

SUBTITLE I do not know
where that evil rakshasa lives,
nor his power, nor his valour,
nor his low-born line.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.7.1-2) में है; पहली पंक्ति कथावाचक की है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.7.1-2); the first line is the narrator's.

॥ 4.7.1 ॥
CrEd 4.7.1

SILENT MOMENT मौन क्षण

KISHKINDHA KANDA · किष्किन्धाकाण्ड

Behind the tree

पेड़ की ओट से

—❧ Valmiki · Kishkindha Kanda ❧—

4.12.14–4.22.32 (CrEd 4.12.14–4.22.26)

सुग्रीव वाली को ललकारते हैं और हार जाते हैं, क्योंकि राम दोनों भाइयों को अलग नहीं पहचान पाते; फूलों वाली लता पहनकर वे वाली को फिर ललकारते हैं। तारा वाली को चेताती हैं कि राम सुग्रीव के साथ हैं, पर वाली लड़ने निकलते हैं, और राम ओट से उन पर बाण चलाते हैं। वाली राम पर अधर्म का आरोप लगाते हैं, राम राजधर्म से उत्तर देते हैं, और मरते हुए वाली मन का बैर छोड़कर सुग्रीव को अपनी स्वर्णमाला देते हैं और अंगद और तारा को उन्हें सौंपते हैं।

Sugriva challenges Vali and is beaten, for Rama cannot tell the brothers apart; marked with a flowering creeper, he calls Vali out again. Tara warns Vali that Rama stands with Sugriva, but Vali goes out to fight, and Rama shoots him from cover. Vali charges Rama with adharma, Rama answers with the king's dharma, and the dying Vali, reconciled, gives Sugriva his golden chain and commends Angada and Tara to him.

१



PART 1 · भाग 1

The garland

Valmiki 4.12.14–4.14.22 (CrEd 4.12.14–4.14.21)

॥ 4.12.15–19 ॥
CrEd 4.12.15–19

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.12.20 ॥
CrEd 4.12.20

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.12.21 ॥
CrEd 4.12.21

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.12.23 ॥
CrEd 4.12.23

वाली VALI

वाल्मीकि तं प्रविष्टं वनं दृष्ट्वा वाली शापभयात् ततः ।
मुक्तो ह्य् असि त्वम् इत्य् उक्त्वा स निवृत्तो महाबलः ॥

TRANSLATION *Seeing him enter the forest,
Vali, in fear of the curse,
said, "You have got away!",
and the mighty one turned back.*

लीला तो तू बच निकला!

SUBTITLE So you have escaped me!

॥ 4.12.26 ॥
CrEd 4.12.26

सुग्रीव SUGRIVA

वाल्मीकि आह्वयस्वेति माम् उक्त्वा दर्शयित्वा च विक्रमम् ।
वैरिणा घातयित्वा च किम् इदानीं त्वया कृतम् ॥

TRANSLATION *"Challenge him," you told me,
and showed me your valour;
then you had me beaten by my foe.
What is this you have done?*

लीला "उसे ललकारो," आपने मुझसे कहा, और अपना
पराक्रम दिखाया। फिर शत्रु के हाथों मुझे पिटने
दिया। यह आपने क्या किया?

SUBTITLE "Challenge him," you told me,
and you showed me your power.
Then you let my enemy beat me.
What have you done?

॥ 4.12.27 ॥
CrEd 4.12.27

सुग्रीव SUGRIVA

वाल्मीकि ताम् एव वेलां वक्तव्यं त्वया राघव तत्त्वतः ।
वालिनं न निहन्मीति ततो नाहम् इतो व्रजे ॥

TRANSLATION *At that very time, Raghava,
you should have told me truly,
"I will not kill Vali";
then I would not have gone from here.*

लीला राघव, आपको उसी समय सच कह देना था,
"मैं वाली को नहीं मारूँगा।" तब मैं यहाँ से जाता
ही नहीं।

SUBTITLE You should have told me the truth
then, Raghava:
"I will not kill Vali."
Then I would never have gone.

॥ 4.12.29 ॥
CrEd 4.12.29

राम RAMA

वाल्मीकि सुग्रीव श्रूयतां तात क्रोधश् च व्यपनीयताम् ।
कारणं येन बाणोऽयं न मया स विसर्जितः ॥

TRANSLATION *Sugriva, dear one, listen,
and let your anger be put away:
hear the reason why
I did not loose this arrow.*

लीला प्रिय सुग्रीव, सुनो, और अपना क्रोध दूर करो। सुनो
कि मैंने बाण क्यों नहीं छोड़ा।

SUBTITLE Hear me, dear Sugriva,
and put away your anger.
Hear why I did not loose my arrow.

राम R A M A

वाल्मीकि अलङ्कारेण वेषेण प्रमाणेन गतेन च ।
त्वं च सुग्रीव वाली च सदृशौ स्थः परस्परम् ।
स्वरेण वर्चसा चैव प्रेक्षितेन च वानर ।
विक्रमेण च वाक्यैश्च व्यक्तिं वा नोपलक्षये ॥

TRANSLATION *In ornament, in dress,
in stature and in gait,
you and Vali, Sugriva,
are like each other.
In voice, in lustre,
in glance, monkey,
in valour and in speech,
I could not tell you apart.*

लीला आभूषण, वेश, डील-डौल, चाल, स्वर, कांति, दृष्टि,
पराक्रम, वाणी, तुम और वाली सबमें एक-से हो। मैं
तुम दोनों को अलग नहीं पहचान सका।

SUBTITLE Ornaments, dress, size, gait,
voice, lustre, glance, valour, speech:
you and Vali are alike in all.
I could not tell you apart.

॥ 4.12.32 ॥
CrEd 4.12.32

4.12.33–36:
popular text
only · not in
the CrEd

राम R A M A

वाल्मीकि ततोऽहं रूपसादृश्यान् मोहितो वानरोत्तम ।
नोत्सृजामि महावेगं शरं शत्रुनिबर्हणम् ॥

TRANSLATION *So, best of monkeys, bewildered
by the likeness of your forms,
I did not loose my arrow,
swift, the destroyer of foes.*

लीला रूप की इस समानता से मोहित होकर मैंने
शत्रुनाशक, महावेगी बाण नहीं छोड़ा।

SUBTITLE Bewildered by the likeness,
I held back the swift arrow
that destroys enemies.

प्रचलित पाठ में इसके बाद के श्लोक (4.12.33–36, शरण में आए मित्र को मार देने का उनका डर) CrEd में नहीं हैं। यह श्लोक CrEd का 4.12.32 है।

The verses after this one in the popular text (4.12.33–36, his fear of killing a friend who had come to him for refuge) are not in the CrEd. This verse is the CrEd's 4.12.32.

॥ 4.12.37 ॥
CrEd 4.12.33

राम R A M A

वाल्मीकि एतन्मुहूर्ते तु मया पश्य वालिनम् आहवे ।
निरस्तम् इषुणैकेन वेष्टमानं महीतले ॥

TRANSLATION *But within this hour, see Vali
in battle, by me
struck down with a single arrow,
writhing on the ground.*

लीला इस बार, इसी घड़ी तुम देखोगे कि युद्ध में मेरे एक
ही बाण से गिरा वाली धरती पर लोट रहा है।

SUBTITLE This time, within the hour,
you will see Vali brought down
by a single arrow of mine,
rolling on the earth.

॥ 4.12.38–39 ॥
CrEd 4.12.34–35

राम R A M A

वाल्मीकि अभिज्ञानं कुरुष्व त्वम् आत्मनो वानरेश्वर ।
येन त्वाम् अभिजानीयां द्वन्द्वयुद्धम् उपागतम् ।
गजपुष्पीम् इमां फुल्लाम् उत्पाद्य शुभलक्षणाम् ।
कुरु लक्ष्मण कण्ठेऽस्य सुग्रीवस्य महात्मनः ॥

TRANSLATION *Make a sign upon yourself,
lord of monkeys,
by which I may know you
when you have come to the duel.
This flowering gajapushpi,
so fair to see, pull it up,
Lakshmana, and put it round the neck
of great-souled Sugriva.*

लीला वानरराज, कोई चिह्न धारण करो, जिससे युद्ध में मैं
तुम्हें पहचान सकूँ। लक्ष्मण, यह खिली हुई
गजपुष्पी उखाड़कर सुग्रीव के गले में डाल दो।

SUBTITLE Wear a sign, lord of monkeys,
so I know you in the fight.
Lakshmana, pull up this
flowering gajapushpi
and hang it round his neck.

॥ 4.12.40–41 ॥
CrEd 4.12.36–37

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.12.42, 4.14.1–
2 ॥
CrEd 4.12.38,
4.14.1–2

SILENT MOMENT मौन क्षण

सुग्रीव SUGRIVA

वाल्मीकि हरिवागुरया व्याप्तं तप्तकाञ्चनतोरणाम् ।
प्राप्ताः स्म ध्वजयन्त्राढ्यां किष्किन्धां वालिनः पुरीम् ।
प्रतिज्ञा या त्वया वीर कृता वालिवधे पुरा ।
सफलां तां कुरु क्षिप्रं लतां काल इवागतः ॥

TRANSLATION *Ringed by a net of monkeys,
with arches of burnished gold,
rich in banners and engines,
we have reached Kishkindha, Vali's city.
The vow you made before, hero,
to kill Vali:
make it bear fruit quickly,
as the season, come, makes a creeper fruit.*

लीला हम वाली की नगरी किष्किंधा पहुँच गए हैं, जिसका
तोरण तपे सोने का है। वाली-वध की अपनी
प्रतिज्ञा अब सफल कीजिए, जैसे ऋतु लता को फल
देती है।

SUBTITLE We are at Kishkindha,
Vali's city of the golden gate.
Keep your vow now,
as the season makes a vine bear fruit.

॥ 4.14.8,
4.14.10 ॥
CrEd 4.14.8-9

राम R A M A

वाल्मीकि कृताभिज्ञान चिह्नस् त्वम् अनया गजसाह्वया ।
विपरीत इवाकाशे सूर्यो नक्षत्र मालया ।
अद्य वालिसमुत्थं ते भयं वैरं च वानर ।
एकेनाहं प्रमोक्ष्यामि बाणमोक्षेण संयुगे ॥

TRANSLATION *You are marked with a sign
by this gajapushpi,
like the sun in the sky, the order reversed,
wreathed in a garland of stars.
Today, monkey, the fear and the feud
that Vali has raised for you,
from these I will free you with one arrow
loosed in battle.*

लीला इस गजपुष्पी से तुम पहचाने जाते हो, जैसे
नक्षत्रमाला से घिरा सूर्य। आज एक ही बाण तुम्हें
वाली के भय और वैर से मुक्त करेगा।

SUBTITLE With this gajapushpi you are marked,
like the sun wreathed in stars.
Today one arrow will free you
from Vali, and from your fear.

॥ 4.14.13-14 ॥

CrEd 4.14.12-13

condensed
from 4.14.13-
14

राम R A M A

वाल्मीकि प्रत्यक्षं सप्त ते साला मया बाणेन दारिताः ।
ततो वेत्सि बलेनाद्य वालिनं निहतं मया ।
अनृतं नोक्तपूर्वं मे वीर कृच्छ्रेऽपि तिष्ठता ।
धर्मलोभपरीतेन न च वक्ष्ये कथं चन ॥

TRANSLATION *Before your eyes, seven sal trees
were split by my arrow;
so know by that strength that Vali
will be slain by me today.
No lie have I ever spoken,
hero, even standing in hardship;
held fast by love of dharma,
nor shall I ever speak one.*

लीला तुमने अपनी आँखों से देखा था, मेरे बाण ने सात
साल-वृक्ष भेद दिए। तो जान लो, आज वाली मारा
जाएगा। मैंने संकट में भी कभी झूठ नहीं कहा।

SUBTITLE You saw my one arrow
split seven sal trees.
Know that Vali dies today.
I have never lied, not even in trouble.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.14.12-13) में है; दृश्य की पंक्ति आखिरी पंक्ति छोड़ती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.14.12-13); the scene's line leaves out the last line.

॥ 4.14.16 ॥
CrEd 4.14.15

राम R A M A

वाल्मीकि तदाह्वाननिमित्तं त्वं वालिनो हेममालिनः ।
सुग्रीव कुरु तं शब्दं निष्पतेद् येन वानरः ॥

TRANSLATION *So, to call him out,
Vali of the golden chain,
Sugriva, raise that cry
at which the monkey will rush out.*

लीला अब वह गर्जना करो, सुग्रीव, जिससे स्वर्णमालाधारी
वाली दौड़ता हुआ बाहर आए।

SUBTITLE Now give the cry, Sugriva,
that brings Vali of the golden chain
rushing out.

॥ 4.14.18-20 ॥
CrEd 4.14.17-19

SILENT MOMENT मौन क्षण



Tara's warning

Valmiki 4.15.1–4.17.54 (CrEd 4.15.1–4.17.45)

VALMIKI

THE LEELA

॥ 4.15.1–6 ॥
CrEd 4.15.1–6

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.15.7, 4.15.9 ॥
CrEd 4.15.7–8

तारा TARA

वाल्मीकि साधु क्रोधम् इमं वीर नदी वेगम् इवागतम् ।
शयनाद् उत्थितः काल्यं त्यज भुक्ताम् इव स्रजम् ।
सहसा तव निष्क्रामो मम तावन् न रोचते ।
श्रूयताम् अभिधास्यामि यन्निमित्तं निवार्यसे ॥

TRANSLATION *Well now, hero, let go this anger
that has come like a river in flood,
as one risen from bed at dawn
casts off a garland worn.
Your going out so suddenly
does not please me yet;
listen, I will tell you
why you are held back.*

लीला वीर, नदी की बाढ़-से उमड़ते इस क्रोध को छोड़
दीजिए। आपका यों सहसा निकलना मुझे अच्छा
नहीं लगता। सुनिए, मैं आपको क्यों रोकती हूँ।

SUBTITLE My hero, let this anger go:
it comes like a river in flood.
Do not rush out.
Hear why I hold you back.

॥ 4.15.10-12 ॥

CrEd 4.15.9-11

condensed
from 4.15.10-
12

तारा TARA

वाल्मीकि पूर्वम् आपतितः क्रोधात् स त्वाम् आह्वयते युधि ।
निष्पत्य च निरस्तस् ते हन्यमानो दिशो गतः ।
त्वया तस्य निरस्तस्य पीडितस्य विशेषतः ।
इहैत्य पुनर् आह्वानं शङ्कां जनयतीव मे ।
दर्पश् च व्यवसायश् च यादृशस् तस्य नर्दतः ।
निनादस्य च संरम्भो नैतद् अल्पं हि कारणम् ॥

TRANSLATION *Before, he fell on you in anger,
and challenged you to fight;
you rushed out and beat him,
and, struck, he fled in all directions.
That he, beaten by you
and hurt so badly,
should come here and challenge you again
wakes a fear in me.
The pride and the resolve
in his roaring,
the fury of his cry:
this is no small cause.*

लीला पहले आपने उसे हराया था, और वह भाग गया था।
अब वह लौटकर फिर ललकार रहा है। इससे मुझे
भय होता है। ऐसी गर्जना का कोई बड़ा कारण है।

SUBTITLE You beat him once, and he fled.
Now he is back, calling you out again.
That frightens me:
such a roar has a reason.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.15.9-11) में है; दृश्य की पंक्ति इसे छोटा करती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.15.9–11); the scene's line shortens it.

॥ 4.15.13,
4.15.15, 4.15.18 ॥

CrEd 4.15.12,
4.15.14–15

4.15.16–17:
popular text
only · not in
the CrEd

*condensed
from 4.15.13,
4.15.15, 4.15.18*

तारा TARA

वाल्मीकि नासहायम् अहं मन्ये सुग्रीवं तम् इहागतम् ।
अवष्टब्धसहायश् च यम् आश्रित्यैष गर्जति ।
... ।
पूर्वम् एव मया वीर श्रुतं कथयतो वचः ।
अङ्गदस्य कुमारस्य वक्ष्यामि त्वा हितं वचः ।
तव भ्रातुर् हि विख्यातः सहायो रणकर्कशः ।
रामः परबलामर्दी युगान्ताग्निर् इवोत्थितः ॥

TRANSLATION *I do not think that Sugriva
has come here without help;
he has a firm ally,
and leaning on him he roars.*
...
*Hero, I have already heard
the words that Prince Angada spoke;
I will tell you
words for your good.
For your brother's famous ally,
harsh in battle,
is Rama, crusher of enemy armies,
risen like the fire at the end of an age.*

लीला सुग्रीव अकेला नहीं आया। कुमार अंगद ने मुझे
बताया कि उसके साथ कौन है, शत्रु-सेनाओं को
मथने वाले राम, प्रलय की अग्नि जैसे।

SUBTITLE Sugriva has not come alone.
Prince Angada told me who stands
with him:
Rama, crusher of armies,
like the fire at the end of time.

संस्कृत वैसी दी गई है जैसी CrEd (4.15.12, 4.15.14–15) में है। प्रचलित पाठ के 4.15.16–17 (अंगद के गुप्तचर, और “अयोध्या के राजा के पुत्र”) CrEd में नहीं हैं और यहाँ नहीं दिए गए।

The Sanskrit is given as the CrEd has it (4.15.12, 4.15.14–15). The popular text's 4.15.16–17 (Angada's scouts, and “sons of the king of Ayodhya”) are not in the CrEd and are not shown.

॥ 4.15.23–24 ॥

CrEd 4.15.20–21

तारा T A R A

वाल्मीकि यौवराज्येन सुग्रीवं तूर्णं साध्व् अभिषेचय ।
विग्रहं मा कृथा वीर भ्रात्रा राजन् बलीयसा ।
अहं हि ते क्षमं मन्ये तव रामेण सौहृदम् ।
सुग्रीवेण च संप्रीतिं वैरम् उत्सृज्य दूरतः ॥

TRANSLATION *Quickly, as is right,
consecrate Sugriva as crown prince.
Do not make war, my heroic king,
with your brother, the stronger one.
For I think it fitting for you
to have friendship with Rama,
and goodwill with Sugriva,
casting the feud far away.*

लीला सुग्रीव का शीघ्र युवराज-पद पर अभिषेक कीजिए।
राजन्, भाई से युद्ध मत कीजिए। राम से मित्रता
और सुग्रीव से प्रीति कीजिए, और यह वैर दूर
छोड़ दीजिए।

SUBTITLE Make Sugriva your heir at once.
Do not fight your brother, my king.
Take Rama's friendship, make peace
with Sugriva,
and put the feud away.

वाली VALI

वाल्मीकि गर्जतोऽस्य च संरम्भं भ्रातुः शत्रोर् विशेषतः ।
मर्षयिष्याम्य् अहं केन कारणेन वरानने ।
अधर्षितानां शूराणां समरेष्व् अनिवर्तिनाम् ।
धर्षणामर्षणं भीरु मरणाद् अतिरिच्यते ॥

TRANSLATION *This roaring brother's fury,
my enemy above all:
for what reason should I bear it,
fair-faced one?
For heroes never overcome,
who never turn back in battle,
to bear an insult, timid one,
is worse than death.*

लीला मैं अपने भाई की, उस शत्रु की, गर्जना कैसे सहूँ?
जो वीर कभी हारा नहीं, उसके लिए अपमान सहना
मृत्यु से भी बढ़कर है।

SUBTITLE How can I bear my brother's roar,
my enemy's above all?
For a hero never beaten,
an insult is worse than death.

॥ 4.16.5 ॥
CrEd 4.16.5

वाली VALI

वाल्मीकि न च कार्यो विषादस् ते राघवं प्रति मत्कृते ।
धर्मज्ञश् च कृतज्ञश् च कथं पापं करिष्यति ॥

TRANSLATION *And you need not grieve
over Raghava for my sake;
he knows dharma, he knows gratitude:
how could he do wrong?*

लीला और राघव के कारण मेरे लिए चिंता मत करो। वे
धर्मज्ञ हैं, कृतज्ञ हैं। ऐसे पुरुष पाप कैसे करेंगे?

SUBTITLE Do not fear Raghava for my sake.
He knows dharma, he knows gratitude.
How could such a man
do wrong?

॥ 4.16.7,
4.16.10 ॥
CrEd 4.16.7-8

वाली VALI

वाल्मीकि प्रतियोत्स्याम्य् अहं गत्वा सुग्रीवं जहि संभ्रमम् ।
दर्पं चास्य विनेष्यामि न च प्राणैर् विमोक्ष्यते ।
शापितासि मम प्राणैर् निवर्तस्व जयेन च ।
अहं जित्वा निवर्तिष्ये तम् अलं भ्रातरं रणे ॥

TRANSLATION *I will go and fight Sugriva;
put away your alarm.
I will tame his pride,
but he will not lose his life.
I adjure you by my life:
go back, wishing me victory.
When I have beaten that brother in battle,
I will return.*

लीला मैं उसका घमंड तोड़ूंगा, पर उसके प्राण नहीं लूँगा।
भीतर जाओ, मैं अपने प्राणों की शपथ लेता हूँ। मैं
जीतकर लौटूँगा।

SUBTITLE I will break his pride,
not take his life.
Go in; I swear it by my life.
I will come back the victor.

॥ 4.16.10-12 ॥
CrEd 4.16.9-12

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.16.20 ॥
CrEd 4.16.18

वाली VALI

वाल्मीकि एष मुष्टिर् मया बद्धो गाढः सुनिहिताङ्गुलिः ।
मया वेगविमुक्तस् ते प्राणान् आदाय यास्यति ॥

TRANSLATION *Here is my fist, clenched by me,
tight, the fingers set firm;
loosed by me with force,
it will carry off your life.*

लीला देख यह मुट्ठी, कसकर बँधी हुई। जब मैं इसे पूरे
वेग से चलाऊँगा, यह तेरे प्राण ले जाएगी।

SUBTITLE See this fist, clenched hard.
When I let it fly,
it will carry off your life.

॥ 4.16.21 ॥
CrEd 4.16.19

सुग्रीव SUGRIVA

वाल्मीकि एवम् उक्तस् तु सुग्रीवः क्रुद्धो वालिनम् अब्रवीत् ।
तवैव च हरन् प्राणान् मुष्टिः पततु मूर्धनि ॥

TRANSLATION *Spoken to so, Sugriva,
in anger, said to Vali:
“On your own head let the fist fall,
taking your life!”*

लीला नहीं, मेरी मुट्ठी तेरे सिर पर पड़े और तेरे प्राण ले!

SUBTITLE No: let my fist fall on your head,
and take your life!

॥ 4.16.22–30 ॥
CrEd 4.16.20–24

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.16.33–35 ॥
CrEd 4.16.25–26

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.17.1 ॥
CrEd 4.17.1

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.17.5–15 ॥
CrEd 4.17.5–12

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.17.16 ॥
CrEd 4.17.13

वाली VALI

वाल्मीकि पराङ्मुखवधं कृत्वा को नु प्राप्तस् त्वया गुणः ।
यद् अहं युद्धसंरब्धस् त्वत्कृते निधनं गतः ॥

TRANSLATION *Killing one whose face was turned,
what merit have you won,
when I, intent upon the fight,
have met my death through you?*

लीला मैं दूसरे से लड़ रहा था, मेरा मुख तुम्हारी ओर नहीं
था। मुझे यों मारकर तुमने कौन-सा पुण्य पाया? मैं
तुम्हारे कारण मरता हूँ।

SUBTITLE I was fighting another,
my face turned from you.
What merit have you won, striking me so?
I die because of you.

॥ 4.17.17-18,
4.17.20-21 ॥

CrEd 4.17.14-17

condensed
from 4.17.17-
18, 4.17.20-21

वाली VALI

वाल्मीकि कुलीनः सत्त्वसंपन्नस् तेजस्वी चरितव्रतः ।
रामः करुणवेदी च प्रजानां च हिते रतः ।
सानुक्रोशो महोत्साहः समयज्ञो दृढव्रतः ।
इति ते सर्वभूतानि कथयन्ति यशो भुवि ।
तान् गुणान् संप्रधार्याहम् अग्र्यं चाभिजनं तव ।
तारया प्रतिषिद्धः सन् सुग्रीवेण समागतः ।
न माम् अन्येन संरब्धं प्रमत्तं वेद्मुम् अर्हसि ।
इति मे बुद्धिर् उत्पन्ना बभूवाददर्शने तव ॥

TRANSLATION “*Rama is high-born, full of strength,
radiant, true to his vows,
he knows compassion,
and delights in his people’s good;
he is kind, of great energy,
knows what is fitting, firm in his vows”:
so all beings on earth
tell your fame.
Weighing those virtues,
and your high birth,
I came out to meet Sugriva,
though Tara forbade me.*

लीला संसार तुम्हें करुणामय कहता है। उसी पर भरोसा
करके मैं निकला, जबकि तारा ने रोका था, सोचा,
दूसरे से लड़ते समय तुम मुझ पर वार नहीं करोगे।

SUBTITLE The world calls you compassionate.
Trusting that, I came out, though Tara held
me back:
you would not strike me
while I fought another.

*“He will not strike me, locked with another,
off my guard”:
that was the thought that rose in me,
while you were out of sight.*

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.17.14–17) में है; दृश्य की पंक्ति इसे छोटा करती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.17.14–17); the scene's line shortens it.

॥ 4.17.22-23 ॥

CrEd 4.17.18-19

condensed
from 4.17.22-
23

वाली VALI

वाल्मीकि न त्वां विनिहतात्मानं धर्मध्वजम् अधार्मिकम् ।
जाने पापसमाचारं तृणैः कूपम् इवावृतम् ।
सतां वेषधरं पापं प्रच्छन्नम् इव पावकम् ।
नाहं त्वाम् अभिजानानि धर्मच्छद्माभिसंवृतम् ॥

TRANSLATION *I did not know you, ruined in yourself,
with dharma for a banner, without dharma,
evil in your ways,
like a well covered over with grass;
a sinner wearing the dress of the good,
like a hidden fire:
I did not know you,
wrapped in the disguise of dharma.*

लीला मैं तुम्हें नहीं जानता था, धर्म का ध्वज उठाए पापी,
घास से ढका कुआँ, सज्जनों के वेश में छिपी आग।

SUBTITLE I did not know you:
a sinner under dharma's flag,
a well hidden by grass,
a fire hidden in the dress of the good.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.17.18-19) में है; दृश्य की पंक्ति आखिरी पंक्ति छोड़ती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.17.18-19); the scene's line leaves out the last line.

वाली VALI

वाल्मीकि विषये वा पुरे वा ते यदा नापकरोम्य् अहम् ।
न च त्वां प्रतिजानेऽहं कस्मात् त्वं हंस्य् अकिल्बिषम् ।
फलमूलाशनं नित्यं वानरं वनगोचरम् ।
माम् इहाप्रतियुध्यन्तम् अन्येन च समागतम् ॥

TRANSLATION *When I do you no harm,
in your land or in your city,
and do not set myself against you,
why do you kill me, who am blameless,
a monkey roaming the forest,
ever living on fruit and roots,
who was not fighting you here,
but locked with another?*

लीला मैंने तुम्हारे देश या नगर में तुम्हारा कुछ नहीं
बिगाड़ा। फल-मूल खाने वाले वनवासी वानर को,
जो तुमसे लड़ भी नहीं रहा था, क्यों मारा?

SUBTITLE I never harmed you,
in your land or city.
Why kill a forest monkey, living on fruit
and roots,
who was not fighting you?

वाली VALI

वाल्मीकि दृश्यमानस् तु युध्येथा मया युधि नृपात्मज ।
अद्य वैवस्वतं देवं पश्येस् त्वं निहतो मया ।
त्वयादृश्येन तु रणे निहतोऽहं दुरासदः ।
प्रसुप्तः पन्नगेनेव नरः पानवशं गतः ॥

TRANSLATION *Had you fought me in battle
in my sight, prince,
you would see today the god Vaivasvata,
struck down by me.
But unseen in battle
you struck me down, whom none can face,
as a snake strikes a sleeping man
who has fallen into drink's power.*

लीला राजकुमार, यदि तुम सामने आकर लड़ते, तो आज
मेरे हाथों मरकर यमराज के दर्शन करते। तुमने
छिपकर मारा, जैसे सोए मनुष्य को सर्प डँसे।

SUBTITLE Had you fought me in the open, prince,
you would stand before Yama today.
You struck unseen,
like a snake at a sleeping man.

॥ 4.17.49-51 ॥

CrEd 4.17.41-42

4.17.49:
popular text
only · not in
the CrEd

वाली VALI

वाल्मीकि सुग्रीवप्रियकामेन यद् अहं निहतस् त्वया ।
कण्ठे बद्धा प्रदद्यां तेऽनिहतं रावणं रणे ।
न्यस्तां सागरतोये वा पाताले वापि मैथिलीम् ।
जानयेयं तवादेशाच् छेताम् अश्वतरीम् इव ॥

TRANSLATION *For your wish to please Sugriva
you struck me down;
yet I would have bound Ravana by the neck
and given him to you, alive, in battle.
Maithili, though cast into the sea's waters
or into the underworld,
I would have brought at your command,
like the white mare.*

लीला सुग्रीव को प्रसन्न करने के लिए तुमने मुझे मारा ।
मुझसे कहते, तो मैं रावण को गले में बाँधकर लाता,
और मैथिली को समुद्र या पाताल से भी ।

SUBTITLE You killed me to please Sugriva.
Asked, I would have brought you Ravana,
bound by the neck,
and Maithili from the sea or
the underworld.

प्रचलित पाठ का 4.17.49 “एक ही दिन में” जोड़ता है; वह CrEd में नहीं है और यहाँ नहीं दिया गया। यहाँ दी गई संस्कृत CrEd का 4.17.41-42 है। सफ़ेद घोड़ी खोया हुआ वेद है, जिसे विष्णु हयग्रीव रूप में वापस लाए।

The popular text's 4.17.49 adds “in a single day”; that is not in the CrEd and is not shown. The Sanskrit shown is the CrEd's 4.17.41-42. The white mare is the lost Veda, brought back by Vishnu as Hayagriva.

॥ 4.17.52-53 ॥

CrEd 4.17.43-44

condensed
from 4.17.52-
53

वाली VALI

वाल्मीकि युक्तं यत् प्राप्तुयाद् राज्यं सुग्रीवः स्वर्गते मयि ।
अयुक्तं यद् अधर्मेण त्वयाहं निहतो रणे ।
कामम् एवंविधं लोकः कालेन विनियुज्यते ।
क्षमं चेद् भवता प्राप्तम् उत्तरं साधु चिन्त्यताम् ॥

TRANSLATION *That Sugriva should gain the kingdom
when I have gone to heaven is fitting;
unfitting it is that by adharmā
you struck me down in battle.
Granted, the world is bound by time
to ends such as this;
but if you have found a fitting answer,
let it be well thought through.*

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.17.43-44) में है; दृश्य की पंक्ति काल वाली पंक्ति छोड़ती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.17.43-44); the scene's line leaves out the line on time.

॥ 4.17.54 ॥

CrEd 4.17.45

SILENT MOMENT मौन क्षण

लीला मेरे स्वर्ग जाने पर सुग्रीव राज करे, यह उचित है।
पर तुमने मुझे अधर्म से मारा, यह अनुचित है।
भली-भाँति सोचकर उत्तर दो।

SUBTITLE That Sugriva should rule when I am gone
is fitting.
That you killed me by adharmā is not.
Think well what answer you can give.



The king's dharma

Valmiki 4.18.1–4.22.32 (CrEd 4.18.1–4.22.26)

VALMIKI

THE LEELA

॥ 4.18.4 ॥
CrEd 4.18.4

राम RAMA

वाल्मीकि धर्मम् अर्थं च कामं च समयं चापि लौकिकम् ।
अविज्ञाय कथं बाल्यान् माम् इहाद्य विगर्हसे ॥

TRANSLATION *Not knowing dharma, artha and kama,
nor the customs of the world,
how, out of childishness,
do you reproach me here today?*

लीला तुम धर्म, अर्थ, काम और लोक-मर्यादा को नहीं
जानते। फिर बालक की तरह मेरी निंदा कैसे
करते हो?

SUBTITLE You know not dharma, nor gain,
nor desire, nor the ways of the world.
How can you, like a child,
reproach me?

॥ 4.18.6-7 ॥

CrEd 4.18.6-7

condensed
from 4.18.6-7

राम R A M A

वाल्मीकि इक्ष्वाकूणाम् इयं भूमिः सरौलवनकानना ।
मृगपक्षिमनुष्याणां निग्रहानुग्रहाव् अपि ।
तां पालयति धर्मात्मा भरतः सत्यवाग् ऋजुः ।
धर्मकामार्थतत्त्वज्ञो निग्रहानुग्रहे रतः ॥

TRANSLATION *This earth, with its hills, woods and forests,
belongs to the Ikshvakus,
and the power to curb and to favour
its beasts, its birds, its men.
Righteous Bharata protects it,
truthful in speech and upright,
who knows the truth of dharma, kama and artha,
devoted to curbing and to favour.*

लीला पर्वतों और वनों सहित यह पृथ्वी इक्ष्वाकुओं की है।
पशु, पक्षी और मनुष्य को दंड देना या क्षमा करना
उनका अधिकार है। धर्मात्मा भरत इसका पालन
करते हैं।

SUBTITLE This earth, with its hills and forests,
is the Ikshvakus':
theirs to punish or spare beast, bird
and man.
Righteous Bharata rules it.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.18.6-7) में है; दृश्य की पंक्ति आखिरी पंक्ति छोड़ती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.18.6-7); the scene's line leaves out the last line.

॥ 4.18.9,
4.18.11 ॥

CrEd 4.18.9, 4.18.11

condensed
from 4.18.9,
4.18.11

राम R A M A

वाल्मीकि तस्य धर्मकृतादेशा वयम् अन्ये च पार्थिवाः ।
चरामो वसुधां कृत्स्नां धर्मसंतानम् इच्छवः ।
... ।

ते वयं मार्गविभ्रष्टं स्वधर्मे परमे स्थिताः ।
भरताज्ञां पुरस्कृत्य निगृहीमो यथाविधि ॥

TRANSLATION *With his command, given in dharma,
we and other kings
roam the whole earth,
wishing to spread dharma wide.
...
We curb one strayed from the path,
standing in our own highest dharma,
with Bharata's order before us,
as the law lays down.*

लीला उन्हीं की धर्माज्ञा से हम पृथ्वी पर विचरते हैं। भरत
की आज्ञा को आगे रखकर हम मार्ग से भटके हुआओं
को विधि से दंड देते हैं।

SUBTITLE Under his command
we walk the earth, keeping dharma.
With Bharata's order before us,
we punish those who stray.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.18.9 and 4.18.11) में है; दृश्य की पंक्ति दोनों श्लोकों को जोड़ती है और पहले को छोटा करती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.18.9 and 4.18.11); the scene's line joins the two verses and shortens the first.

राम R A M A

वाल्मीकि तद् एतत् कारणं पश्य यदर्थं त्वं मया हतः ।
भ्रातुर् वर्तसि भार्यायां त्यक्त्वा धर्मं सनातनम् ।
अस्य त्वं धरमाणस्य सुग्रीवस्य महात्मनः ।
रुमायां वर्तसे कामात् सुषायां पापकर्मकृत् ॥

TRANSLATION *See then the reason
for which I killed you:
you live with your brother's wife,
casting aside eternal dharma.
While great-souled Sugriva still lives,
with Ruma you live, out of lust,
with one who is as your daughter-in-law,
doer of evil deeds.*

लीला सुनो, मैंने तुम्हें क्यों मारा। सनातन धर्म छोड़कर,
भाई के जीते-जी तुमने उसकी पत्नी रुमा को रख
लिया, जो तुम्हारे लिए पुत्रवधू के समान है।

SUBTITLE Hear why I killed you.
Casting off dharma, while your
brother lives,
you took his wife Ruma,
who should be as a daughter to you.

राम R A M A

वाल्मीकि तद् व्यतीतस्य ते धर्मात् कामवृत्तस्य वानर ।
भ्रातृभार्याभिमर्शोऽस्मिन् दण्डोऽयं प्रतिपादितः ।
न हि धर्मविरुद्धस्य लोकवृत्ताद् अपेयुषः ।
दण्डाद् अन्यत्र पश्यामि निग्रहं हरियूथप ॥

TRANSLATION *So for you, monkey, who have strayed
from dharma,
who live by lust,
for laying hands on your brother's wife
this punishment has been dealt.
For one who goes against dharma,
who has left the ways of the world,
I see no curb but punishment,
chief of the monkey troops.*

लीला भाई की पत्नी को छूने का यही दंड है। जो इस
प्रकार धर्म तोड़े, उसके लिए दंड के सिवा कोई
अंकुश मैं नहीं देखता।

SUBTITLE For taking your brother's wife,
this is the sentence.
For one who breaks dharma so,
I see no restraint but punishment.

राम R A M A

वाल्मीकि सुग्रीवेण च मे सख्यं लक्ष्मणेन यथा तथा ।
दारराज्यनिमित्तं च निःश्रेयसि रतः स मे ।
प्रतिज्ञा च मया दत्ता तदा वानरसंनिधौ ।
प्रतिज्ञा च कथं शक्या मद्विधेनानवेक्षितुम् ॥

TRANSLATION *And my friendship with Sugriva
is as it is with Lakshmana;
for his wife and his kingdom's sake,
he is devoted to my good.
And I gave my promise then,
in the presence of the monkeys;
and how could a promise
be disregarded by one like me?*

लीला और सुग्रीव मेरा मित्र है, लक्ष्मण जैसा प्रिय। मैंने
वानरों के सामने उसे वचन दिया था। मुझ जैसा
व्यक्ति वह वचन कैसे तोड़ सकता है?

SUBTITLE Sugriva is my friend,
as dear as Lakshmana.
I gave him my word before the monkeys.
How could one like me break it?

॥ 4.18.38-40 ॥

CrEd 4.18.34-36

condensed
from 4.18.38-
40

राम R A M A

वाल्मीकि वागुराभिश् च पाशैश् च कूटैश् च विविधैर् नराः ।
प्रतिच्छन्नाश् च दृश्याश् च गृह्णन्ति सुबहून् मृगान् ।
प्रधावितान् वा वित्रस्तान् विस्रब्धान् अतिविष्टितान् ।
प्रमत्तान् अप्रमत्तान् वा नरा मांसार्थिनो भृशम् ।
विध्यन्ति विमुखांश् चापि न च दोषोऽत्र विद्यते ।
यान्ति राजर्षयश् चात्र मृगयां धर्मकोविदाः ।
तस्मात् त्वं निहतो युद्धे मया बाणेन वानर ।
अयुध्यन् प्रतियुध्यन् वा यस्माच् छाखामृगो ह्य् असि ॥

TRANSLATION *With nets and snares
and traps of many kinds,
men, hidden or in plain sight,
catch a great many deer,
running or terrified,
trusting or standing still;
heedless or heedful,
men who want meat
strike them hard, even turned away,
and there is no fault in this.
And royal sages who know dharma
go hunting in this world.*

लीला छिपकर हो या प्रकट, मनुष्य मुँह फेरे मृगों को भी
बेधते हैं, इसमें दोष नहीं। राजर्षि भी आखेट करते
हैं। तुम तो शाखामृग हो।

SUBTITLE Hidden or seen,
men strike deer even turned away,
and there is no fault: royal sages hunt so.
You are a branch-deer.

*So you were slain in battle
by my arrow, monkey,
whether fighting me or not,
for you are a branch-deer.*

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.18.34–36) में है; दृश्य की पंक्ति इसे छोटा करती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.18.34–36); the scene's line shortens it.

॥ 4.18.42-43 ॥

CrEd 4.18.38-39

condensed
from 4.18.42-
43

राम R A M A

वाल्मीकि तान् न हिंस्यान् न चाक्रोशेन् नाक्षिपेन् नाप्रियं वदेत् ।
देवा मानुषरूपेण चरन्त्य् एते महीतले ।
त्वं तु धर्मम् अविज्ञाय केवलं रोषम् आस्थितः ।
प्रदूषयसि मां धर्मे पितृपैतामहे स्थितम् ॥

TRANSLATION *One should not harm them, nor revile them,
nor scorn them, nor speak unkindly:
these are gods who walk the earth
in human form.
But you, not knowing dharma,
given over to anger alone,
find fault with me, who stand
in the dharma of my fathers and forefathers.*

लीला राजा मनुष्य-रूप में पृथ्वी पर विचरते देवता हैं। धर्म
को न जानकर, केवल क्रोध में, तुम मुझे दोष देते
हो, जो पितरों के धर्म पर स्थित हूँ।

SUBTITLE Kings are gods who walk the earth as men.
Moved by anger alone, not
knowing dharma,
you blame me,
who keep my fathers' dharma.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.18.38-39) में है; दृश्य की पंक्ति पहली पंक्ति छोड़ती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.18.38-39); the scene's line leaves out the first line.

॥ 4.18.44 ॥

CrEd 4.18.40

SILENT MOMENT मौन क्षण

वाली VALI

वाल्मीकि यत् त्वम् आत्थ नरश्रेष्ठ तद् एवं नात्र संशयः ।
प्रतिवक्तुं प्रकृष्टे हि नापकृष्टस् तु शक्नुयात् ।
यद् अयुक्तं मया पूर्वं प्रमादाद् वाक्यम् अप्रियम् ।
तत्रापि खलु मे दोषं कर्तुं नार्हसि राघव ॥

TRANSLATION *What you say, best of men,
is so; there is no doubt of it.
For the lesser cannot
answer back the greater.
And the unfitting, unkind words
I spoke before in heedlessness:
even there, Raghava,
do not hold them as my fault.*

लीला नरश्रेष्ठ, आपने जो कहा वह सत्य है, इसमें संदेह नहीं। छोटा बड़े को उत्तर नहीं दे सकता। राघव, मैंने जो कठोर वचन कहे, उनका दोष मुझ पर मत रखिए।

SUBTITLE What you say is so, best of men;
there is no doubt.
The lesser cannot answer the greater.
Forgive my harsh words, Raghava.

॥ 4.18.53-55 ॥

CrEd 4.18.48-50

condensed
from 4.18.53-
55

वाली VALI

वाल्मीकि सुग्रीवे चाङ्गदे चैव विधत्स्व मतिम् उत्तमाम् ।
त्वं हि शास्ता च गोप्ता च कार्याकार्यविधौ स्थितः ।
या ते नरपते वृत्तिर् भरते लक्ष्मणे च या ।
सुग्रीवे चाङ्गदे राजंस् तां चिन्तयितुम् अर्हसि ।
मदोषकृतदोषां तां यथा तारां तपस्विनीम् ।
सुग्रीवो नावमन्येत तथावस्थातुम् अर्हसि ॥

TRANSLATION *On Sugriva and on Angada*
set your highest thought;
for you are ruler and protector,
firm in judging what is done and not done.
The way you are, lord of men,
with Bharata and with Lakshmana,
so with Sugriva and Angada,
king, you should think to be.
And so that Sugriva does not scorn
poor Tara, who bears
the blame for faults that were mine,
so should you stand.

लीला सुग्रीव और अंगद को वैसे ही देखिए, जैसे भरत
और लक्ष्मण को देखते हैं। और ऐसा कीजिए कि
मेरे दोषों के कारण सुग्रीव बेचारी तारा का अपमान
न करे।

SUBTITLE Care for Sugriva and Angada
as you care for Bharata and Lakshmana.
And let Sugriva not scorn
poor Tara for my faults.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.18.48-50) में है; दृश्य की पंक्ति इसे छोटा करती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.18.48–50); the scene's line shortens it.

॥ 4.18.60–62 ॥

CrEd 4.18.53–55

condensed
from 4.18.60–
62

राम R A M A

वाल्मीकि न वयं भवता चिन्त्या नाप्य् आत्मा हरिसत्तम ।
वयं भवद्विशेषेण धर्मतः कृतनिश्चयाः ।
दण्ड्ये यः पातयेद् दण्डं दण्ड्यो यश् चापि दण्ड्यते ।
कार्यकारणसिद्धार्थात् उभौ तौ नावसीदतः ।
तद् भवान् दण्डसंयोगाद् अस्माद् विगतकल्मषः ।
गतः स्वां प्रकृतिं धर्म्या धर्मदृष्टेन वर्त्मना ॥

TRANSLATION *You need not think of us,
nor of yourself, best of monkeys;
we have reached our resolve by dharma,
with especial thought for you.
He who brings punishment down on the guilty,
and the guilty one who is punished:
both have fulfilled cause and effect,
and neither comes to grief.
So, through meeting this punishment,
you are cleansed of your stain,
and have gone back to your own nature, true
to dharma,
by the path that dharma shows.*

लीला हमारे लिए या अपने लिए चिंता मत करो। उचित
दंड देने वाला और दंड पाने वाला, दोनों ही नष्ट नहीं
होते। इस दंड से तुम पाप से मुक्त हो गए।

SUBTITLE Fear nothing for us, or for yourself.
He who rightly punishes, and he who
is punished,
both go free.
Through this, you are cleansed.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.18.53–55) में है; दृश्य की पंक्ति इसे छोटा करती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.18.53–55); the scene's line shortens it.

॥ 4.18.66 ॥

CrEd 4.18.57

वाली VALI

वाल्मीकि शराभितप्तेन विचेतसा मया प्रदूषितस् त्वं यद्
अजानता प्रभो ।
इदं महेन्द्रोपमभीमविक्रम प्रसादितस् त्वं क्षम मे महीश्वर ॥

TRANSLATION *Burning from your arrow, out of my mind,
not knowing, I wronged you, lord;
you whose dread valour is like great Indra's,
be gracious, lord of the earth, and forgive me this.*

लीला बाण की जलन से, सुध-बुध खोकर, अनजाने में मैंने
आपकी निंदा की। पृथ्वीपति, प्रसन्न होइए, मुझे
क्षमा कीजिए।

SUBTITLE Burning from your arrow, out of my mind,
not knowing, I wronged you.
Forgive me,
lord of the earth.

॥ 4.19.25–26 ॥

CrEd 4.19.25–26

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.19.27 ॥
CrEd 4.19.27

तारा TARA

वाल्मीकि समीक्ष्य व्यथिता भूमौ संभ्रान्ता निपपात ह ।
सुप्तेव पुनर् उत्थाय आर्यपुत्रेति क्रोशती ॥

TRANSLATION *Seeing him, stricken, bewildered,
she fell to the ground;
then, rising again as if from sleep,
she cried out, "Aryaputra!"*

लीला आर्यपुत्र!

SUBTITLE My lord!

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.19.27) में है; पहली पंक्ति कथावाचक की है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.19.27); the first line is the narrator's.

तारा TARA

वाल्मीकि रणे दारुणविक्रान्त प्रवीर प्लवतां वर ।
किं दीनाम् अपुरोभागाम् अद्य त्वं नाभिभाषसे ।
उत्तिष्ठ हरिशार्दूल भजस्व शयनोत्तमम् ।
नैवविधाः शेरते हि भूमौ नृपतिसत्तमाः ॥

TRANSLATION *Hero, dreadful in your valour in battle,
best of leapers,
why do you not speak today to me,
wretched and meek as I am?
Rise, tiger among monkeys,
go to your finest bed;
for the best of kings like you
do not lie on the ground.*

लीला आप मुझसे बोलते क्यों नहीं? उठिए, वानरसिंह,
अपनी उत्तम शय्या पर चलिए। आप जैसे श्रेष्ठ राजा
धरती पर नहीं सोते।

SUBTITLE Why do you not speak to me?
Rise, tiger among monkeys, to your bed.
Kings like you
do not lie on the bare earth.

वाली VALI

वाल्मीकि सुग्रीवदोषेण न मां गन्तुम् अर्हसि किल्बिषात् ।
कृष्यमाणं भविष्येण बुद्धिमोहेन मां बलात् ।
युगपद्विहितं तात न मन्ये सुखम् आवयोः ।
सौहार्दं भ्रातृयुक्तं हि तद् इदं जातम् अन्यथा ॥

TRANSLATION *Do not hold against me
my wrong toward you, Sugriva;
I was dragged along by force
by a bewilderment that fate sent.
I think, dear one, that happiness
was never set for us both at once;
the friendship that brothers should have
has turned out otherwise.*

लीला सुग्रीव, मेरे पाप के कारण मुझसे बैर मत रखना।
भवितव्यता ने बलपूर्वक मेरी बुद्धि फेर दी थी। तात,
हम दोनों को एक साथ सुख पाना लिखा ही न था।

SUBTITLE Do not hold my wrong against me, Sugriva:
fate dragged my mind astray.
It was not our lot, brother,
to be happy together.

वाली VALI

वाल्मीकि सुखार्हं सुखसंवृद्धं बालम् एनम् अबालिशम् ।
बाष्पपूर्णमुखं पश्य भूमौ पतितम् अङ्गदम् ।
मम प्राणैः प्रियतरं पुत्रं पुत्रम् इवौरसं ।
मया हीनम् अहीनार्थं सर्वतः परिपालय ॥

TRANSLATION *Deserving comfort, raised in comfort,
a child, but no fool:
see him fallen on the ground,
Angada, his face full of tears.
My son, dearer to me than life,
as a son of your own body,
bereft of me, let him lack nothing:
protect him in every way.*

लीला धरती पर पड़े अंगद को देखो, उसका मुख आँसुओं
से भरा है। वह मुझे प्राणों से भी प्रिय है। उसे अपने
पुत्र की तरह सब ओर से पालना।

SUBTITLE Look at Angada, fallen on the ground,
his face wet with tears.
He is dearer to me than life.
Guard him as your own son.

वाली VALI

वाल्मीकि सुषेणदुहिता चेयम् अर्थसूक्ष्मविनिश्चये ।
औत्पातिके च विविधे सर्वतः परिनिष्ठिता ।
यद् एषा साध्व् इति ब्रूयात् कार्यं तन् मुक्तसंशयम् ।
न हि तारामतं किं चिद् अन्यथा परिवर्तते ॥

TRANSLATION *And this daughter of Sushena,
in judging the fine points of affairs
and in omens of every kind,
is sure in every way.
Whatever she says is good,
do it, free of doubt;
for nothing Tara judges
ever turns out otherwise.*

लीला सुषेण की यह पुत्री सूक्ष्म बातों के निर्णय में और
शकुन पढ़ने में निपुण है। जिसे यह उचित कहे,
वह निःसंदेह करना। तारा की बात कभी झूठी
नहीं होती।

SUBTITLE Sushena's daughter sees the finest points
and reads omens truly.
What she calls good, do without doubt.
Tara's counsel never proves false.

॥ 4.22.15-16 ॥

CrEd 4.22.15-16

condensed
from 4.22.15-
16

वाली VALI

वाल्मीकि राघवस्य च ते कार्यं कर्तव्यम् अविशङ्कया ।
स्याद् अधर्मो ह्य् अकरणे त्वां च हिंस्याद् विमानितः ।
इमां च मालाम् आधत्स्व दिव्यां सुग्रीवकाञ्चनीम् ।
उदारा श्रीः स्थिता ह्य् अस्यां संप्रजह्यान् मृते मयि ॥

TRANSLATION *And you must do Raghava's work
without misgiving;
it would be adharma not to do it,
and, slighted, he might strike you down.
And put on this golden chain,
heavenly, Sugriva;
a noble glory dwells in it,
which would leave it once I am dead.*

लीला राघव का कार्य बिना संशय करना। और यह दिव्य
स्वर्णमाला पहन लो। इसमें महान श्री बसती है, जो
मेरे मरने पर इसे छोड़ देगी।

SUBTITLE Do Raghava's work without doubting.
And put on this golden chain from heaven:
its glory lives in it,
and would leave it when I die.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.22.15-16) में है; दृश्य की पंक्ति दूसरी पंक्ति छोड़ती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.22.15-16); the scene's line leaves out the second line.

॥ 4.22.20,
4.22.22 ॥

CrEd 4.22.20,
4.22.22

वाली VALI

वाल्मीकि देशकालौ भजस्वाद्य क्षममाणः प्रियाप्रिये ।
सुखदुःखसहः काले सुग्रीववशगो भव ।
मास्यामित्रैर् गतं गच्छेर् मा शत्रुभिर् अरिंदम ।
भर्तुर् अर्थपरो दान्तः सुग्रीववशगो भव ॥

TRANSLATION *Keep now to time and place,
bearing the pleasant and the unpleasant;
bearing joy and sorrow in their time,
live under Sugriva's rule.
Do not go with his foes,
nor with his enemies, tamer of foes;
intent on your lord's good, restrained,
live under Sugriva's rule.*

॥ 4.22.24 ॥
CrEd 4.22.24

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.22.26-27 ॥
CrEd 4.22.26

SILENT MOMENT मौन क्षण

लीला देश और काल को पहचानो। प्रिय-अप्रिय, सुख-
दुख, सब सहो। उसके शत्रुओं का साथ कभी मत
देना। संयमी रहकर स्वामी की सेवा करना, सुग्रीव
की आज्ञा में रहना।

SUBTITLE Know the time and the place.
Bear joy and sorrow alike.
Never side with his enemies.
Serve your king, and obey Sugriva.

KISHKINDHA KANDA · किष्किन्धाकाण्ड

Jambavan's reminder; the leap

जाम्बवान का याद दिलाना; छलौंग

—❧ Valmiki · Kishkindha Kanda ❧—

4.64.1–5.1.44 (CrEd 4.63.1–5.1.40)

सागर के तट पर अंगद पूछते हैं कि लंका तक सौ योजन कौन लौंघ सकता है, और हर वानर-नायक बताता है कि वह कितनी दूर जा सकता है; कोई उतनी दूर नहीं जा सकता। बूढ़े जाम्बवान चुप, अलग बैठे हनुमान की ओर मुड़ते हैं और उन्हें याद दिलाते हैं कि वे किसके पुत्र हैं। हनुमान बढ़ते हैं, महेन्द्र पर चढ़ते हैं और लंका के लिए छलौंग लगाते हैं।

On the shore of the ocean, Angada asks who can leap the hundred yojanas to Lanka, and each monkey leader names how far he can go; none can go so far. Old Jambavan turns to Hanuman, sitting silent and apart, and reminds him whose son he is. Hanuman grows, climbs Mahendra and leaps for Lanka.

१



PART 1 · भाग 1

The shore

Valmiki 4.64.1–4.65.33 (CrEd 4.63.1–4.64.33)

VALMIKI

THE LEELA

॥ 4.64.1–8 ॥
CrEd 4.63.1–9

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.64.9 ॥
CrEd 4.63.10

अंगद ANGADA

वाल्मीकि न विषादेन नः कार्यं विषादो दोषवत्तरः ।
विषादो हन्ति पुरुषं बालं क्रुद्ध इवोरगः ॥

TRANSLATION *We have no business with despair;
despair is the gravest fault.
Despair kills a man
as an angry snake kills a child.*

लीला विषाद में मत डूबिए। विषाद सबसे बड़ा दोष है।
यह पुरुष को वैसे ही मार देता है, जैसे क्रुद्ध सर्प।

SUBTITLE Do not give way to despair:
despair is the worse fault.
It kills a man
like an angry snake.

अंगद ANGADA

वाल्मीकि क इदानीं महातेजा लङ्घयिष्यति सागरम् ।
कः करिष्यति सुग्रीवं सत्यसंधम् अरिंदमम् ।
को वीरो योजनशतं लङ्घयेत् प्लवंगमाः ।
इमांश् च यूथपान् सर्वान् मोचयेत् को महाभयात् ॥

TRANSLATION *Who now, of great splendour,
will leap across the ocean?
Who will make Sugriva,
tamer of foes, true to his word?
What hero, monkeys, could leap
a hundred yojanas?
Who could free all these troop leaders
from their great fear?*

लीला अब कौन इस सागर को लाँघेगा? कौन सौ योजन
पार करके सुग्रीव के वचन को सत्य करेगा, और इन
सब यूथपतियों को महाभय से मुक्त करेगा?

SUBTITLE Who will leap this ocean now,
a hundred yojanas,
keep Sugriva's word true,
and free us all from fear?

अंगद ANGADA

वाल्मीकि कस्य प्रसादाद् दारांश् च पुत्रांश् चैव गृहाणि च ।
इतो निवृत्ताः पश्येम सिद्धार्थाः सुखिनो वयम् ।
कस्य प्रसादाद् रामं च लक्ष्मणं च महाबलम् ।
अभिगच्छेम संहृष्टाः सुग्रीवं च महाबलम् ॥

TRANSLATION *By whose grace shall we see
our wives, our sons, our homes,
turning back from here,
our purpose won, in happiness?
By whose grace, to Rama
and to Lakshmana of great strength,
shall we go, rejoicing,
and to Sugriva of great strength?*

लीला किसकी कृपा से हम सफल होकर अपनी पत्नियों,
पुत्रों और घरों को फिर देखेंगे, और प्रसन्न होकर
राम, लक्ष्मण और सुग्रीव के पास लौटेंगे?

SUBTITLE By whose grace will we see
our wives, our sons, our homes,
and go back gladly
to Rama?

॥ 4.64.19 ॥
CrEd 4.63.20

अंगद ANGADA

वाल्मीकि यदि कश्चित् समर्थो वः सागरप्लवने हरिः ।
स ददात् इह नः शीघ्रं पुण्याम् अभयदक्षिणाम् ॥

TRANSLATION *If any monkey among you
is able to leap the ocean,
let him give us here, and quickly,
the holy gift of freedom from fear.*

लीला यदि आपमें से कोई वानर सागर लाँघने में समर्थ है,
तो वह अभी हमें अभयदान का पुण्य दे।

SUBTITLE If any monkey here
can leap the sea,
let him give us now
the gift of freedom from fear.

॥ 4.64.20 ॥
CrEd 4.63.21

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.64.21-22 ॥

CrEd 4.63.22,
4.63.24

condensed
from 4.64.21-
22

अंगद ANGADA

वाल्मीकि पुनर् एवाङ्गदः प्राह तान् हरीन् हरिसत्तमः ।
सर्वे बलवतां श्रेष्ठा भवन्तो दृढविक्रमाः ।
ब्रुवध्वं यस्य या शक्तिर् गमने प्लवगर्षभाः ॥

TRANSLATION *Once more Angada,
best of monkeys, spoke to the monkeys:
“You are all the best of the strong,
firm in your valour.
Tell me, bulls among monkeys,
what strength each has for the crossing.”*

लीला आप सब बलवानों में श्रेष्ठ हैं, दृढ़ पराक्रमी।
बताइए, आपमें से कौन कितनी दूर छलाँग लगा
सकता है?

SUBTITLE You are the best of the strong,
all of you.
Tell me, each of you:
how far can you leap?

संस्कृत यहाँ वैसी दी गई है, जैसी CrEd (4.63.22 और 24) में है; बीच का श्लोक, उनके ऊँचे कुल के बारे में, छोड़ा गया है।

The Sanskrit is given as the CrEd has it (4.63.22 and 24); the verse between, on their noble birth, is left out.

॥ 4.65.3a ॥

CrEd 4.64.3ab

गज GAJA

वाल्मीकि आबभाषे गजस् तत्र प्लवेयं दशयोजनम् ॥

TRANSLATION *Gaja spoke up there:
“I can leap ten yojanas.”*

लीला मैं दस योजन कूद सकता हूँ।

SUBTITLE Ten yojanas.

॥ 4.65.3b ॥
CrEd 4.64.3cd

गवाक्ष GAVAKSHA

वाल्मीकि गवाक्षो योजनान्य् आह गमिष्यामीति विंशतिम् ॥

TRANSLATION *Gavaksha said, "I will go
twenty yojanas."*

लीला मैं बीस योजन जाऊँगा।

SUBTITLE Twenty.

॥ 4.65.4 ॥
CrEd 4.64.4

गवय GAVAYA

वाल्मीकि त्रिंशत् तु गमिष्यामि योजनानां प्लवंगमाः ॥

TRANSLATION *Thirty yojanas, monkeys,
I will go.*

लीला मैं तीस योजन जाऊँगा।

SUBTITLE Thirty.

॥ 4.65.5 ॥
CrEd 4.64.5

शरभ SHARABHA

वाल्मीकि चत्वारिंशद् गमिष्यामि योजनानां न संशयः ॥

TRANSLATION *Forty yojanas I will go;
there is no doubt of it.*

लीला चालीस योजन, इसमें संदेह नहीं।

SUBTITLE Forty.

॥ 4.65.6 ॥
CrEd 4.64.6

गन्धमादन GANDHAMADANA

वाल्मीकि योजनानां गमिष्यामि पञ्चाशत् तु न संशयः ॥

TRANSLATION *Fifty yojanas I will go;
there is no doubt of it.*

लीला पचास योजन, निःसंदेह।

SUBTITLE Fifty.

॥ 4.65.7 ॥
CrEd 4.64.7

मैन्द MAINDA

वाल्मीकि योजनानां परं षष्टिम् अहं प्लवितुम् उत्सहे ॥

TRANSLATION *Up to sixty yojanas*
I can venture to leap.

लीला मैं साठ योजन कूदने का साहस रखता हूँ।

SUBTITLE Sixty.

॥ 4.65.8 ॥
CrEd 4.64.8

द्विविद DVIVIDA

वाल्मीकि गमिष्यामि न संदेहः सप्ततिं योजनान्य् अहम् ॥

TRANSLATION *I will go, there is no doubt of it,*
seventy yojanas.

लीला मैं सत्तर योजन जाऊँगा, इसमें कोई संदेह नहीं।

SUBTITLE Seventy.

॥ 4.65.9 ॥
CrEd 4.64.9

सुषेण SUSHENA

वाल्मीकि अशीतिं योजनानां तु प्लवेयं प्लवगर्षभाः ॥

TRANSLATION *Eighty yojanas*
I can leap, bulls among monkeys.

लीला वानरश्रेष्ठो, मैं अस्सी योजन कूद सकता हूँ।

SUBTITLE Eighty.

॥ 4.65.11 ॥
CrEd 4.64.11

जाम्बवान JAMBAVAN

वाल्मीकि पूर्वम् अस्माकम् अप्य् आसीत् कश्चिद् गतिपराक्रमः ।
ते वयं वयसः पारम् अनुप्राप्ताः स्म साम्प्रतम् ॥

TRANSLATION *Once we too had
some power of movement;
now we have reached
the far shore of old age.*

लीला एक समय मुझमें भी गति का पराक्रम था। अब मैं
बुढ़ापे के उस पार आ पहुँचा हूँ।

SUBTITLE Once I too could go far.
Now I have come
to the far shore of age.

॥ 4.65.12-13 ॥

CrEd 4.64.12-13

condensed
from 4.65.12-
13

जाम्बवान JAMBAVAN

वाल्मीकि किं तु नैवं गते शक्यम् इदं कार्यम् उपेक्षितुम् ।
यद् अर्थं कपिराजश् च रामश् च कृतनिश्चयौ ।
साम्प्रतं कालभेदेन या गतिस् तां निबोधत ।
नवतिं योजनानां तु गमिष्यामि न संशयः ॥

TRANSLATION *Yet, things being so, this task
cannot be set aside,
for which the monkey king and Rama
have set their resolve.
Hear what my range is now,
with the change that time has made:
ninety yojanas I will go;
there is no doubt of it.*

लीला फिर भी यह कार्य छोड़ा नहीं जा सकता। अब मेरी
जो गति है, वह सुनो, नब्बे योजन, निःसंदेह।

SUBTITLE Still, this work must not be dropped.
Hear what I can do now:
ninety yojanas.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.64.12-13) में है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.64.12-13).

॥ 4.65.15-17 ॥

CrEd 4.64.15-17

condensed
from 4.65.15-
17

जाम्बवान JAMBAVAN

वाल्मीकि मया महाबलैश् चैव यज्ञे विष्णुः सनातनः ।
प्रदक्षिणीकृतः पूर्वं क्रममाणस् त्रिविक्रमः ।
स इदानीम् अहं वृद्धः प्लवने मन्दविक्रमः ।
यौवने च तदासीन् मे बलम् अप्रतिमं परैः ।
संप्रत्य् एतावतीं शक्तिं गमने तर्कयाम्य् अहम् ।
नैतावता च संसिद्धिः कार्यस्यास्य भविष्यति ॥

TRANSLATION *By me and by other mighty ones,
at the sacrifice, eternal Vishnu
was once circled, kept on our right,
as he took his three strides.
Now I am old,
slow in my leaping;
but in my youth I had
a strength no one could match.
Now I judge my power
for going to be this much;
and with this much the task
will not be accomplished.*

लीला बहुत पहले मैंने सनातन विष्णु की परिक्रमा की थी,
जब वे तीन पग भर रहे थे। अब मैं बूढ़ा और मंद हूँ।
नब्बे से यह काम नहीं होगा।

SUBTITLE Long ago I circled Vishnu
as he took his three strides.
Now I am old and slow,
and ninety will not do it.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.64.15-17) में है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.64.15-17).

॥ 4.65.19 ॥

CrEd 4.64.19

अंगद ANGADA

वाल्मीकि अहम् एतद् गमिष्यामि योजनानां शतं महत् ।
निवर्तने तु मे शक्तिः स्यान् न वेति न निश्चितम् ॥

TRANSLATION *I will go this great distance,
a hundred yojanas;
but whether I will have the strength to return
is not certain.*

लीला मैं यह सौ योजन की महान दूरी पार कर लूँगा ।
पर लौटने की शक्ति मुझमें होगी या नहीं, यह
निश्चित नहीं ।

SUBTITLE I can go the hundred yojanas.
But whether I have the strength
to come back,
I cannot say.

॥ 4.65.22,

4.65.25 ॥

CrEd 4.64.22,

4.64.25

condensed
from 4.65.22,
4.65.25

जाम्बवान JAMBAVAN

वाल्मीकि न हि प्रेषयिता तात स्वामी प्रेष्यः कथं चन ।
भवतायं जनः सर्वः प्रेष्यः प्लवगसत्तम ।
मूलम् अर्थस्य संरक्ष्यम् एष कार्यविदां नयः ॥

TRANSLATION *For the master who sends, dear one,
is never himself sent;
all these people are yours to send,
best of monkeys.
The root of a venture must be guarded:
this is the way of those who know affairs.*

लीला तात, स्वामी को भेजा नहीं जाता, वह भेजता है ।
आप इस कार्य की जड़ हैं, और जड़ की रक्षा की
जाती है ।

SUBTITLE The master is never sent;
he sends.
You are the root of this work,
and the root must be guarded.

॥ 4.65.30-32 ॥

CrEd 4.64.30-32

condensed
from 4.65.30-
32

अंगद ANGADA

वाल्मीकि न ह्य् अकृत्वा हरिपतेः संदेशं तस्य धीमतः ।
तत्रापि गत्वा प्राणानां पश्यामि परिरक्षणम् ।
स हि प्रसादे चात्यर्थं कोपे च हरिर् ईश्वरः ।
अतीत्य तस्य संदेशं विनाशो गमने भवेत् ।
तद् यथा ह्य् अस्य कार्यस्य न भवत्य् अन्यथा गतिः ।
तद् भवान् एव दृष्टार्थः संचिन्तयितुम् अर्हति ॥

TRANSLATION *For without carrying out the command
of that wise lord of monkeys,
even if we go back there, I see
no way to save our lives.
For that monkey is master, beyond measure,
both in kindness and in anger;
if we go, having passed over his command,
ruin will follow.
So, that this task
may not go astray,
you, who see to the heart of things,
must think it through.*

लीला राजा की आज्ञा पूरी किए बिना हम लौट नहीं
सकते। वे कृपा और क्रोध, दोनों में समर्थ हैं। आप
दूरदर्शी हैं। आप ही कोई मार्ग सोचिए।

SUBTITLE We cannot go back
with the king's order undone.
You see clearly.
Find the way.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.64.30-32) में है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.64.30-32).

॥ 4.65.33 ॥
CrEd 4.64.33

SILENT MOMENT मौन क्षण



Son of the Wind

Valmiki 4.65.34–4.67.49, 5.1.1–44 (CrEd 4.64.34–4.66.44, 5.1.1–40)

VALMIKI

THE LEELA

Uttara · later layer Valmiki 7.36 (CrEd 7.36.32–33)

Only the Uttara tells why he did not know his strength: as a boy he troubled the sages' hermitages, and the sages of the Bhrigu and Angiras lines cursed him not to know it for a long time. The Kishkindha gives no curse: Jambavan only asks, "Why do you not know yourself?" (CrEd 4.65.7).

॥ 4.65.34 ॥
CrEd 4.64.34

जाम्बवान JAMBAVAN

वाल्मीकि अस्य ते वीर कार्यस्य न किं चित् परिहीयते ।
एष संचोदयाम्य् एनं यः कार्यं साधयिष्यति ॥

TRANSLATION *Hero, in this task of yours
nothing will fall short.
Here, I rouse the one
who will carry the task through.*

लीला वीर, आपका यह कार्य अधूरा नहीं रहेगा। मैं उसे
प्रेरित करता हूँ, जो इसे पूरा करेगा।

SUBTITLE Nothing of this work will fail, hero.
I will rouse the one
who will do it.

॥ 4.65.35–
4.66.1 ॥
CrEd 4.64.35–4.65.1

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.66.2 ॥
CrEd 4.65.2

जाम्बवान JAMBAVAN

वाल्मीकि वीर वानरलोकस्य सर्वशास्त्रविदां वर ।
तूष्णीम् एकान्तम् आश्रित्य हनुमन् किं न जल्पसि ॥

TRANSLATION *Hero of the monkey world,
best of all who know the shastras,
why, Hanuman, sitting silent and apart,
do you say nothing?*

लीला वानर-लोक के वीर, सब शास्त्र जानने वालों में श्रेष्ठ,
हनुमान, तुम एकांत में चुप क्यों बैठे हो? कुछ
बोलते क्यों नहीं?

SUBTITLE Hero of the monkeys,
why do you sit apart in silence,
Hanuman?
Why say nothing?

प्रचलित पाठ में “सर्वशास्त्रविदां वर” (सब शास्त्र जानने वालों में श्रेष्ठ) है; CrEd के ई-पाठ में उस जगह “सर्वशास्त्रम् अथाब्रवीत्” है (4.65.2a)।

The popular text reads sarvaśāstravidāṃ vara, “best of all who know the shastras”; the CrEd e-text reads sarvaśāstram athābravīt in that place (4.65.2a).

॥ 4.66.3,
4.66.6 ॥

CrEd 4.65.3, 4.65.6

condensed
from 4.66.3,
4.66.6

जाम्बवान JAMBAVAN

वाल्मीकि हनुमन् हरिराजस्य सुग्रीवस्य समो ह्य् असि ।
रामलक्ष्मणयोश् चापि तेजसा च बलेन च ।
पक्षयोर् यद् बलं तस्य तावद् भुजबलं तव ॥

TRANSLATION *Hanuman, you are the equal
of Sugriva, king of monkeys,
and of Rama and Lakshmana too,
in splendour and in strength.
As much strength as is in his wings,
so much is in your arms.*

लीला तेज और बल में तुम सुग्रीव के समान हो, और राम-
लक्ष्मण के भी। गरुड़ के पंखों में जो बल है, वही
तुम्हारी भुजाओं में है।

SUBTITLE You equal Sugriva,
and Rama and Lakshmana too.
The strength of Garuda's wings
is in your arms.

॥ 4.66.7 ॥
CrEd 4.65.7

जाम्बवान JAMBAVAN

वाल्मीकि बलं बुद्धिश् च तेजश् च सत्त्वं च हरिसत्तम ।
विशिष्टं सर्वभूतेषु किम् आत्मानं न बुध्यसे ॥

TRANSLATION *Strength, wisdom, splendour
and courage, best of monkeys,
are yours beyond all beings:
why do you not know yourself?*

लीला बल, बुद्धि, तेज और साहस में तुम सब प्राणियों से
बढ़कर हो। फिर तुम स्वयं को क्यों नहीं पहचानते?

SUBTITLE Strength, wisdom, fire and courage:
in you they surpass all beings.
Why do you not
know yourself?

॥ 4.66.7 ॥
CrEd 4.65.7

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.66.8,
4.66.18 ॥

CrEd 4.65.8,
4.65.18

condensed
from 4.66.8,
4.66.18

जाम्बवान JAMBAVAN

वाल्मीकि अप्सराप्सरसां श्रेष्ठा विख्याता पुञ्जिकस्थला ।
अञ्जनेति परिख्याता पत्नी केसरिणो हरेः ।
मनसास्मि गतो यत् त्वां परिष्वज्य यशस्विनि ।
वीर्यवान् बुद्धिसंपन्नः पुत्रस् तव भविष्यति ॥

TRANSLATION *Finest of the apsaras,
famed Punjikasthala,
was known as Anjana,
wife of the monkey Kesari.
“Since I have come to you in mind,
embracing you, glorious one,
you will have a son,
valiant, rich in wisdom.”*

लीला तुम्हारी माता अंजना हैं, केसरी की पत्नी। पवनदेव
केवल मन से उनके पास आए और बोले, “तुम्हें
बलवान, बुद्धिमान पुत्र होगा।”

SUBTITLE Your mother is Anjana,
Kesari's wife.
The Wind came to her in thought:
"You will bear a son, mighty and wise."

जाम्बवान JAMBAVAN

वाल्मीकि अभ्युत्थितं ततः सूर्यं बालो दृष्ट्वा महावने ।
फलं चेति जिघृक्षुस् त्वम् उत्प्लुत्याभ्यपतो दिवम् ।
शतानि त्रीणि गत्वाथ योजनानां महाकपे ।
तेजसा तस्य निर्धूतो न विषादं ततो गतः ॥

TRANSLATION *Then, a child in the great forest,
you saw the sun risen,
and thinking it a fruit, wanting to seize it,
you leapt and flew up into the sky.
You went three hundred
yojanas, great monkey,
and though scorched by its blaze,
you did not lose heart.*

लीला बचपन में तुमने उगते सूर्य को फल समझा और
उसे पकड़ने के लिए आकाश में उछल गए। तीन
सौ योजन तक तुम बिना हार माने उड़ते गए।

SUBTITLE As a child you took the rising sun
for a fruit,
and leapt into the sky
to seize it.

जाम्बवान JAMBAVAN

वाल्मीकि तावद् आपततस् तूर्णम् अन्तरिक्षं महाकपे ।
क्षिप्तम् इन्द्रेण ते वज्रं क्रोधाविष्टेन धीमता ।
ततः शैलाग्रशिखरे वामो हनुर् अभज्यत ।
ततो हि नामधेयं ते हनुमान् इति कीर्त्यते ॥

TRANSLATION *As you sped swiftly
through the sky, great monkey,
Indra hurled his thunderbolt at you,
wise Indra, filled with anger.
Then on a mountain peak
your left jaw was broken;
and so your name
is known as Hanuman.*

लीला क्रुद्ध इन्द्र ने तुम पर वज्र चलाया, और पर्वत-शिखर
पर तुम्हारी हनु टूट गई। इसी से तुम्हारा नाम
हनुमान पड़ा।

SUBTITLE Indra hurled his thunderbolt,
and your jaw broke on a peak.
So you are called
Hanuman.

॥ 4.66.30,
4.66.34 ॥

CrEd 4.65.28,
4.65.32

condensed
from 4.66.30,
4.66.34

जाम्बवान JAMBAVAN

वाल्मीकि मारुतस्यौरसः पुत्रस् तेजसा चापि तत्समः ।
त्वं हि वायुसुतो वत्स प्लवने चापि तत्समः ।
स इदानीम् अहं वृद्धः परिहीनपराक्रमः ।
साम्प्रतं कालम् अस्माकं भवान् सर्वगुणान्वितः ॥

TRANSLATION *You are the Wind's own son,
his equal in splendour too;
you, child, son of Vayu,
are his equal in leaping too.
Now I am old,
my prowess gone;
at this time, among us,
it is you who have every gift.*

लीला तुम पवन के औरस पुत्र हो, छलाँग में उनके
समान। मैं बूढ़ा हो गया, मेरा पराक्रम घट गया।
अब समय तुम्हारा है।

SUBTITLE You are the Wind's own son,
his equal in leaping.
I am old.
Now the time is yours.

॥ 4.66.35-37 ॥

CrEd 4.65.33-35

condensed
from 4.66.35-
37

जाम्बवान JAMBAVAN

वाल्मीकि तद् विजृम्भस्व विक्रान्तः प्लवताम् उत्तमो ह्य् असि ।
त्वद्वीर्यं द्रष्टुकामेयं सर्वा वानरवाहिनी ।
उत्तिष्ठ हरिशार्दूल लङ्घ्यस्व महार्णवम् ।
परा हि सर्वभूतानां हनुमन् या गतिस् तव ।
विषण्णा हरयः सर्वे हनुमन् किम् उपेक्षसे ।
विक्रमस्व महावेगो विष्णुस् त्रीन् विक्रमान् इव ॥

TRANSLATION *So stretch yourself and stride out;
you are the best of all who leap.
This whole monkey army
longs to see your valour.
Rise, tiger among monkeys,
leap across the great ocean;
for your range, Hanuman,
is beyond all beings.
All the monkeys are downcast;
Hanuman, why do you hold back?
Stride out, mighty in speed,
as Vishnu took his three strides.*

लीला उठो, वानरसिंह, इस महासागर को लाँघो! सारी
वानर-सेना तुम्हारा पराक्रम देखना चाहती है। विष्णु
के तीन पगों की भाँति पग बढ़ाओ!

SUBTITLE Rise, tiger among monkeys,
and leap the great ocean!
Stride out,
as Vishnu took his three strides!

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.65.33-35) में है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.65.33-35).

॥ 4.66.38–
4.67.8 ॥

CrEd 4.65.36–4.66.5

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 4.67.9–10 ॥

CrEd 4.66.6–7

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि अरुजन् पर्वताग्राणि हुताशनसखोऽनिलः ।
बलवान् अप्रमेयश् च वायुर् आकाशगोचरः ।
तस्याहं शीघ्रवेगस्य शीघ्रगस्य महात्मनः ।
मारुतस्यौरसः पुत्रः प्लवने नास्ति मे समः ॥

TRANSLATION *Breaking the tops of mountains,
the Wind, friend of fire,
mighty, beyond measure, is Vayu,
who moves through the sky.
Of him, swift in his rush,
swift-going, great of soul,
of Maruta I am the own son;
in leaping I have no equal.*

लीला अग्नि के सखा पवन आकाश में बहते हुए पर्वतों के
शिखर तोड़ देते हैं। मैं उन्हीं का औरस पुत्र हूँ।
छलाँग में मेरे समान कोई नहीं।

SUBTITLE The Wind breaks the mountain tops
as he sweeps the sky.
I am his own son.
No one leaps as I do.

॥ 4.67.15-16 ॥
CrEd 4.66.12-13

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि उदयात् प्रस्थितं वापि ज्वलन्तं रश्मिमालिनम् ।
अनस्तमितम् आदित्यम् अभिगन्तुं समुत्सहे ।
ततो भूमिम् असंस्पृश्य पुनर् आगन्तुम् उत्सहे ॥

TRANSLATION *Even the sun, set out from its rising,
blazing, garlanded with rays,
before it has set,
I can venture to reach,
and then, not touching the ground,
I can come back again.*

लीला मैं उदय से चले धधकते सूर्य तक, उसके अस्त होने
से पहले पहुँच सकता हूँ, और धरती छुए बिना लौट
सकता हूँ।

SUBTITLE I could chase the blazing sun
and reach it before it sets,
then come back
without touching the earth.

॥ 4.67.26 ॥
CrEd 4.66.23

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि बुद्ध्या चाहं प्रपश्यामि मनश् चेष्टा च मे तथा ।
अहं द्रक्ष्यामि वैदेहीं प्रमोदध्वं प्लवंगमाः ॥

TRANSLATION *With my mind I see it clearly,
and my heart and my will are so:
I will see Vaidehi.
Rejoice, monkeys!*

लीला मेरी बुद्धि इसे देख रही है, मन और चेष्टा भी वैसी
ही है, मैं वैदेही को देखूँगा। आनंद मनाइए, वानरो!

SUBTITLE My mind foresees it:
I shall see Vaidehi.
Rejoice,
monkeys!

॥ 4.67.31,
4.67.33-34 ॥

CrEd 4.66.27,
4.66.29-30

condensed
from 4.67.31,
4.67.33-34

जाम्बवान् JAMBAVAN

वाल्मीकि वीर केसरिणः पुत्र वेगवन् मारुतात्मज ।
ज्ञातीनां विपुलं शोकस् त्वया तात प्रणाशितः ।
ऋषीणां च प्रसादेन कपिवृद्धमतेन च ।
गुरूणां च प्रसादेन प्लवस्व त्वं महार्णवम् ।
स्थास्यामश् चैकपादेन यावदागमनं तव ।
त्वद्गतानि च सर्वेषां जीवितानि वनौकसाम् ॥

TRANSLATION *Hero, son of Kesari,
swift son of the Wind,
you have wiped away, dear one,
the great grief of your kin.
By the grace of the sages,
with the blessing of the elder monkeys,
and by the grace of your teachers,
leap across the great ocean.
We will stand on one foot
until you come back;
the lives of all the forest-dwellers
rest on you.*

लीला पवनपुत्र, तुमने हम सबका महाशोक मिटा दिया।
गुरुजनों के आशीर्वाद से महासागर लाँघो। तुम्हारे
लौटने तक हम एक पैर पर खड़े रहेंगे।

SUBTITLE Son of the Wind, you have ended our grief.
Go with the elders' blessing.
We will stand on one foot
till you return.

संस्कृत यहाँ वैसी दी गई है, जैसी CrEd (4.66.27 और 29-30) में है।

The Sanskrit is given as the CrEd has it (4.66.27 and 29-30).

॥ 4.67.35-38 ॥

CrEd 4.66.31-33

condensed
from 4.67.35-
38

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि ततस् तु हरिशार्दूलस् तान् उवाच वनौकसः ।
नेयं मम मही वेगं प्लवने धारयिष्यति ।
एतानि हि नगस्यास्य शिलासंकटशालिनः ।
शिखराणि महेन्द्रस्य स्थिराणि च महान्ति च ।
एतानि मम निष्पेषं पादयोः पततां वराः ।
प्लवतो धारयिष्यन्ति योजनानाम् इतः शतम् ॥

TRANSLATION *Then the tiger among monkeys
said to the forest-dwellers:
“This ground will not bear
the force of my leap.
These peaks of this mountain,
Mahendra, crowded with rocks,
firm and huge:
these, best of leapers,
will bear the pounding of my feet
as I leap from here
a hundred yojanas.”*

लीला यह धरती मेरी छलाँग का वेग नहीं सह सकेगी।
महेन्द्र के ये दृढ़, विशाल शिखर ही मेरे पैरों का
दबाव सहेंगे।

SUBTITLE This ground will not bear my leap.
Only Mahendra's peaks,
firm and great,
can take it.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (4.66.31-33) में है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (4.66.31-33).

॥ 5.1.3-18 ॥
CrEd 5.1.2-16

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.1.29-30 ॥
CrEd 5.1.27-28

ऋषि SAGES

वाल्मीकि एष पर्वतसंकाशो हनूमान् मारुतात्मजः ।
तितीर्षति महावेगं समुद्रं मकरालयम् ।
रामार्थं वानरार्थं च चिकीर्षन् कर्म दुष्करम् ।
समुद्रस्य परं पारं दुष्प्रापं प्राप्तुम् इच्छति ॥

TRANSLATION *This Hanuman, son of the Wind,
huge as a mountain,
means to cross at great speed
the ocean, home of the makaras.
For Rama's sake and the monkeys',
wishing to do a deed hard to do,
he seeks to reach the ocean's far shore,
so hard to reach.*

लीला पर्वत-सा विशाल यह पवनपुत्र हनुमान, राम और
वानरों के लिए, दुष्कर कर्म करने हेतु मकरो के घर
इस सागर के पार जाना चाहता है।

SUBTITLE Hanuman, son of the Wind,
vast as a mountain,
will cross the ocean
for Rama's sake.

॥ 5.1.32-38 ॥
CrEd 5.1.29-35

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.1.39 ॥
CrEd 5.1.36

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि यथा राघवनिर्मुक्तः शरः श्वसनविक्रमः ।
गच्छेत् तद्वद् गमिष्यामि लङ्कां रावणपालिताम् ॥

TRANSLATION *As an arrow loosed by Raghava
flies with the speed of the wind,
so I will go
to Lanka, which Ravana guards.*

लीला जैसे राघव के धनुष से छूटा बाण पवन-वेग से
जाता है, वैसे ही मैं रावण की लंका जाऊँगा।

SUBTITLE As an arrow flies
from Raghava's bow,
so I will go
to Lanka.

॥ 5.1.42 ॥
CrEd 5.1.39

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि सर्वथा कृतकार्योऽहम् एष्यामि सह सीतया ।
आनयिष्यामि वा लङ्कां समुत्पाद्य सारावणाम् ॥

TRANSLATION *Either way, my task done,
I will come back with Sita;
or I will tear up Lanka,
Ravana and all, and bring it here.*

लीला हर प्रकार से मैं कार्य पूरा करके सीता के साथ
लौटूँगा, या रावण सहित लंका को उखाड़कर यहाँ
ले आऊँगा!

SUBTITLE I will come back with Sita,
or uproot Lanka,
Ravana and all,
and bring it here!

॥ 5.1.44–49 ॥
CrEd 5.1.40–45

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.1.49 ॥
CrEd 5.1.45

SILENT MOMENT मौन क्षण

Read the full Valmiki Ramayana · पूरी वाल्मीकि रामायण पढ़ें

श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण (गीता प्रेस, भाग 1-2)

Shrimad Valmikiya Ramayan, Gita Press (Sanskrit with Hindi, Parts 1-2)

वाल्मीकि रामायण: बिबेक देब्रॉय का अंग्रेज़ी अनुवाद (3 खंड)

The Valmiki Ramayana, tr. Bibek Debroy (Penguin, 3 vols; translated from the Critical Edition)

आलोचनात्मक संस्करण (ओरिएंटल इंस्टीट्यूट, बड़ौदा): निःशुल्क पढ़ें

The Critical Edition (Oriental Institute, Baroda): read free

As an Amazon Associate we earn from qualifying purchases.

CREDITS · श्रेय

..❧ Translation: Raam Leela ❧..

The Sanskrit is the popular text of Valmiki's Ramayana, as each scene cites it, checked against the Critical Edition (CrEd, Baroda; GRETIL e-text). The Critical Edition is published by the Oriental Institute, Vadodara.

Verse numbers give the popular text first and the CrEd in brackets. Every translation here is written fresh from the Sanskrit for Raam Leela; none is copied from a published translation.

Voices are made with computer tools; the music comes from our own stage productions.

© 2026 Nolabel Immersive Experiences Pvt Ltd